mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-198 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
20 जुलाई 2025 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

हार के बाद रवि...
@ पेज 7

एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे पर निशाना

मुंबई ,एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन पर 2019 में अपने सहयोगी देवेंद्र फडणवीस को धोखा देने का आरोप लगाया। विधान परिषद में पिछले हफ़्ते विपक्ष के प्रस्ताव का जवाब देते हुए शिंदे ने ठाकरे का नाम लिए बिना कहा कि 2019 के विधानसभा चुनावों में अविभाजित शिवसेना और भाजपा के गठबंधन द्वारा बहुमत बनाए रखने के बाद फडणवीस ने 40-50 कॉल किए। शिंदे ने कहा कि भाजपा नेता के फोन कॉल पर (ठाकरे की ओर से) कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। शिंदे ने भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद ठाकरे के कांग्रेस से हाथ मिलाने की ओर इशारा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र ने कभी गिरगिट को इतनी तेज़ी से रंग बदलते नहीं देखा। वह उन लोगों के साथ चले गए जिन्हें वह कभी तुच्छ समझते थे। शिंदे ने कहा कि उनके (शिंदे के) अनुरोध के कारण ही फडणवीस 2017 में मुंबई के मेयर का पद शिवसेना को देने के लिए सहमत हुए थे, जब नगर निकाय चुनावों में शिवसेना ने 84 और भाजपा ने 82 सीटें जीती थीं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन उन्होंने (ठाकरे ने) 2019 में (गठबंधन से बाहर निकलकर) फडणवीस को धोखा दिया।

बिक्रम सिंह मजीठिया को नहीं मिली राहत, अदालत ने दो अगस्त तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली ,एजेंसी। मोहाली की एक अदालत ने शनिवार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एक मामले में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। मजीठिया को 14 दिन की रिमांड पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया। वह फिलहाल पटियाला की नई नाभा जेल में बंद हैं और उन्हें 2 अगस्त को फिर से अदालत में पेश किया जाएगा। 6 जुलाई को अदालत ने मजीठिया को चार दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। विजिलेंस ब्यूरो ने मजीठिया को 25 जून को उनके अमृतसर स्थित घर से गिरफ्तार किया और अगले दिन मोहाली ले आया। अदालत ने उन्हें पहले 26 जून को सात दिन की विजिलेंस ब्यूरो रिमांड पर भेजा था और 2 जुलाई को इसे चार दिन के लिए और बढ़ा दिया था।

राज्य का दर्जा हमारा अधिकार, कोई एहसान नहीं, जम्मू-कश्मीर को लेकर बोले फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली ,एजेंसी। 21 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू होने के साथ ही, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी मांग तेज़ कर दी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जहाँ राज्य का दर्जा लोगों का वाजिब हक बताया है। वहीं, कांग्रेस केंद्र पर इस माँग को पूरा करने का दबाव बनाने के लिए श्रीनगर, जम्मू और दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रही है। अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष राज्य का दर्जा देने का मुद्दा उठाने के लिए बधाई देना चाहता हूँ। वह खड़गे और राहुल द्वारा प्रधानमंत्री को लिखे गए उस पत्र का ज़िक्र कर रहे थे जिसमें संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की गई थी।

एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट तकनीकी खराबी के कारण लौटी

हैदराबाद ,एजेंसी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट शनिवार को उड़ान भरने के 16 मिनट बाद ही हैदराबाद वापस आ गई। विमान बोइंग 737 मैक्स 8 आईएक्स 110 सुबह 6.40 बजे हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रवाना हुई थी। फ्लाइट को सुबह 11.45 बजे थाईलैंड के फुकेट में लैंड होना था। हालांकि टेकऑफ के थोड़ी देर बाद पायलट फ्लाइट को वापस हैदराबाद ले आया। विमान में तकनीकी खराबी थी, हालांकि किस तरह की गड़बड़ी थी। इसकी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई। 16 जुलाई- गोवा जा रही इंडिगो फ्लाइट की मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो फ्लाइट नंबर 6श्र 6271 की बुधवार रात 9ः53 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सूत्रों के हवाले से बताया कि फ्लाइट का इंजन हवा में ही फेल हो गया था। विमान में 191 लोग सवार थे। हालांकि, इंडिगो की तरफ से इंजन फेल होने की पुष्टि नहीं की गई है। एयरलाइन कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि दिल्ली से उड़ान भरते समय फ्लाइट में तकनीकी खराबी का पता चला। प्रोटोकॉल के तहत, विमान को डायवर्ट कर मुंबई एयरपोर्ट पर उतारा गया।

छात्रा को सस्पेंड कराने 71 छात्रों ने मैनेजमेंट को चिट्ठी लिखी थी

भुवनेश्वर ,एजेंसी। ओडिशा के बालासोर में फकीर मोहन कॉलेज (ऑटोनोमस) में सेक्शुअल हैरेसमेंट की शिकायत करने वाली अपराजिता (20) के सुसाइड केस में नया खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1 जुलाई की एक चिट्ठी में 71 छात्रों ने अपराजिता को कॉलेज से सस्पेंड करने की मांग की थी। आरोप है कि ये छात्र आरोपी बीईडी विभाग के एचओडी प्रो. समीर रंजन साहू के प्रभाव में थे। पत्र में अपराजिता के आरोपों को झूठा बताया गया और उनके समर्थकों पर भी कार्रवाई की मांग की गई थी। मृतक छात्रा की दोस्त ने भी आरोप लगाया कि बीजेडी और कांग्रेस की स्टूडेंट यूनिट ने अपराजिता पर शिकायत वापस लेने का दबाव डाला था। वहीं, यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन त्नष्ट की 4 सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी शुक्रवार को ओडिशा के बालासोर पहुंची। कमेटी में प्रो. राज कुमार मित्तल (लीडर), प्रो. सुषमा यादव, डॉ. नीरजा गुप्ता और ष्टत्र की जॉइंट सेक्रेटरी संयुक्त सचिव असीमा मंगला शामिल हैं।

पुल की रेलिंग से कार टकराई, 4 दोस्त जिंदा जले

कांकेर ,एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के आतुरगांव में एक कार पुल से जा टकराई, हादसे में 4 दोस्त जिंदा जल गए। 18 जुलाई की रात 1 बजे नेशनल हाईवे 30 पर यह हादसा हुआ। स्विफ्ट डिजायर कार में 6 युवक सवार थे, इनमें 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है सभी मूरवैंड से कांकेर की तरफ जा रहे थे। आतुरगांव के पास पुल निर्माण के कारण सड़क डायवर्ट की गई है।

पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

दुर्गापुर ,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 5,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं तेल और गैस, बिजली, सड़क, रेलवे और कनेक्टिविटी से जुड़ी हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज जिस गति से विकास कर रहा है, उसकी सराहना पूरे विश्व में हो रही है।

पीएम मोदी ने कहा, कि आज दुर्गापुर और रघुनाथपुर के कारखानों को नई तकनीक से लैस किया जा रहा है। इनमें करीब 1,500 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। मैं इन परियोजनाओं के लिए पश्चिम बंगाल की जनता को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य से सरकार हर क्षेत्र में तेज़ी से कार्य कर रही है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने गैस कनेक्टिविटी पर बीते एक दशक में हुए कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हर घर तक एलपीजी पहुंचाने का काम तेजी से हुआ है। 'वन नेशन, वन गैस' की सोच के तहत प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा योजना चलाई जा रही है, जिसमें बंगाल सहित छह पूर्वी राज्यों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा रही है।

रेलवे क्षेत्र में किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि पश्चिम बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज की सौगात दी गई है। उन्होंने कहा, बंगाल उन अग्रणी राज्यों में से है जहां वंदे भारत ट्रेनों का संचालन सबसे अधिक हुआ है। कोलकाता मेट्रो का भी तेजी से विस्तार हो रहा है और रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्गापुर की महत्वता पर ज़ोर देते हुए कहा, कि दुर्गापुर सिर्फ एक स्टील सिटी नहीं, बल्कि यह भारत की श्रमशक्ति का प्रमुख केंद्र भी है। यहां की परियोजनाएं देश की कनेक्टिविटी को मजबूती देंगी और गैस-आधारित अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेंगी।

इससे पहले पीएम मोदी बिहार के मोतिहारी, दरभंगा और पटना में 7200 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर चुके हैं। बिहार को चार नई अमृत भारत ट्रेनों की भी सौगात मिली। यह दौरा विकास की नई रफ्तार का प्रतीक बनकर उभरा है।

कैश केस- जस्टिस वर्मा की सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली ,एजेंसी। संसद का मानसून सत्र शुरू होने से तीन दिन पहले 18 जुलाई को जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने का अनुरोध किया। जस्टिस वर्मा का तर्क है कि उनके आवास के बाहरी हिस्से में नकदी बरामद होने मात्र से यह साबित नहीं होता कि वे इसमें शामिल हैं। क्योंकि आंतरिक जांच समिति ने यह तय नहीं किया कि नकदी किसकी है या परिसर में कैसे मिली। समिति के निष्कर्षों पर सवाल उठाते हुए उनका तर्क दिया है- ये अनुमान पर आधारित है।

उद्धव बोले- ठाकरे ब्रांड नहीं, महाराष्ट्र-हिंदू अस्मिता की पहचान

मुंबई ,एजेंसी। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा- ठाकरे एक ब्रांड नहीं महाराष्ट्र, मराठी मानुष और हिंदू अस्मिता की पहचान है। ठाकरे का मतलब ही संघर्ष है। कोई यह नाम, लोगों का प्यार या विश्वास नहीं चुरा सकता। कुछ लोग इस पहचान को मिटाने की कोशिश की, लेकिन खुद ही मिट गए। उद्धव ने ये बातें पार्टी के मुखपत्र सामना को दिए इंटरव्यू में कहीं। शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा- जिनके पास कुछ नहीं है और जो अंदर से खोखले हैं, उन्हें ठाकरे ब्रांड की मदद लगती है। यही इस ब्रांड की खासियत है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिंदे गुट इस ब्रांड की चोरी कर रहा है और खुद को इसका भक्त बताकर अपना महत्व बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। उद्धव ने कहा कि चुनाव आयोग एक पत्थर है। उस पत्थर पर सिंदूर लगा देने से उसे शिवसेना नाम और धनुष-बाण चिह्न किसी और को देने का अधिकार नहीं मिल जाता। यह नाम मेरे पिता और दादा ने दिया है। ठाकरे महाराष्ट्र के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर पिता, दो बेटों समेत 6 की मौत

मथुरा ,एजेंसी। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हो गया। तेज रफ्तार इको कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। हादसे में पिता, दो बेटों समेत 6 की मौत हो गई। जबकि पत्नी, बेटी गंभीर हैं। कार सवार दिल्ली से आगरा जा थे। हादसा बलदेव थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के 3 बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार का अगला हिस्सा पिचक गया। काफी देर तक घायल कार में ही फंसे रहे, फिर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार को गैस कटर से काटकर सभी को बाहर निकला। हादसे के बाद की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इसमें लाशें और घायल सड़क पर पड़े हैं। घायल तड़प रहे हैं। एक युवक शव आगे की सीट पर फंसा दिख रहा। उसके दोनों हाथ बोनट पर हैं। मृतकों में 3 परिवारों के लोग हैं। एक परिवार आगरा जबकि दूसरा परिवार मध्यप्रदेश के मुरैना का रहने वाला है। वहीं तीसरा परिवार दिल्ली का रहने वाला है। आगरा के हरलालपुरा निवासी धर्मवीर, उनके दो बेटे रोहित और आर्यन की मौत हो गई। जबकि धर्मवीर की पत्नी सोनी और बेटी पायल की हालत गंभीर है।जबकि धर्मवीर के भांजे मुरैना जिले के बढ़पुरा हुसैन गांव के दो सगे भाई दलवीर उर्फ छुल्ले और पार्थ की भी जान गई है।

21 जुलाई से शुरू होगा मानसून सत्र, विपक्ष ने बनाई सरकार को घेरने की रणनीति

नई दिल्ली ,एजेंसी। संसद का बहुप्रतीक्षित मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। इस एक महीने लंबे सत्र के लिए विपक्ष ने पूरी तैयारी कर ली है। विपक्ष सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी में है। इंडिया गठबंधन की बैठकें जारी हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि इस मीटिंग में तृणमूल कांग्रेस जैसी कुछ पार्टियां इन बैठकों में शामिल नहीं हो रही हैं, फिर भी वे सरकार से तीखे सवाल पूछने को तैयार हैं। आइए जानते हैं कौन से मुद्दे इस मानसून सत्र के सबसे बड़े केंद्रबिंदु बन सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर ट्रंप के बयान और राहुल गांधी का सरेंडर बयान विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने का मन बनाया है। खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस संबंध में दिए गए बयानों को लेकर। ट्रंप ने कई बार दावा किया है

ऑपरेशन सिंदूर, ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस के 3 सवाल

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत-पाकिस्तान जंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार से 3 सवाल किए हैं। पहला- क्या ट्रम्प ने वाकई सीजफायर रुकवाई, वे इसका 24 बार जिक्र कर चुके हैं। दूसरा- क्या ट्रम्प ने व्यापार की धमकी देकर जंग रुकवाई, तीसरा- जंग में 5 लड़ाकू विमान किसके गिरे दरअसल, ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान दावा किया कि मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में 5 जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे। कांग्रेस ट्रम्प के इन्हीं दावों पर मानसून सत्र में केंद्र सरकार से जवाब चाहती है। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मुद्दे पर हंगामे के आसार हैं। संसद शुरू होने वाली है और प्रधानमंत्री को अपनी

चुप्पी तोड़नी चाहिए। कोई और नेता नहीं चलेगा। कांग्रेस और पूरा विपक्ष विशेष चर्चा की मांग करेगा और प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। हमें कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चाहिए।

केवल प्रधानमंत्री को ही जवाब देना होगा। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की लंबे समय से दोस्ती रही है। फिर चाहे सितंबर 2019 में हाउडी मोदी और फरवरी 2020 में नमस्ते ट्रम्प का आयोजन हो, दोनों का गले मिलने का रिश्ता रहा है। अब पीएम मोदी को संसद में खुद बयान देना होगा।

19 जुलाई से लेकर शिवरात्रि तक सभी स्कूल, कॉलेज रहेंगे बंद

नई दिल्ली ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा जोरों पर है, और इसी को देखते हुए प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। जिले में बढ़ती भीड़, यातायात पर पड़ रहे दबाव और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए 19 जुलाई से लेकर शिवरात्रि तक सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थानों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। हर साल सावन महीने में लाखों की संख्या में शिवभक्त विभिन्न राज्यों से गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार और बृजघाट की ओर कूच करते हैं। अमरोहा का बृजघाट गंगा स्नान और जल भरने के लिए एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। यहां से कांवड़िए जल लेकर बरेली, मुरादाबाद, रामपुर, संभल और अमरोहा के अन्य इलाकों की ओर लौटते हैं।

नीतीश कुमार को बदनाम करने की साजिश, बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गिरिराज सिंह ने विपक्ष को घेरा

नई दिल्ली ,एजेंसी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को बिहार सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर विपक्षी दलों द्वारा जताई गई चिंताओं के बीच, उन्हें बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अपराधियों को पहले संरक्षण दिया जाता था, लेकिन अब उन्हें पकड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पारस अस्पताल गोलीबारी में शामिल लोगों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री सिंह ने एएनआई को बताया कि अपराधियों के साथ पहले भी समझौता हुआ था। उन्हें संरक्षण दिया गया था। हालाँकि, आज यह नहीं कहा जा सकता कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सहित सरकार अपराधियों को बचा रही है। अपराधी पकड़े जा रहे हैं। पारस अस्पताल गोलीबारी में शामिल लोग भी पकड़े जाएँगे। हालाँकि, मैं पूछना चाहता हूँ कि ये अपराधी एक विशेष समुदाय से क्यों हैं? मैं बिहार सरकार को बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाता हूँ। उन्होंने बिहार में विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि वे राज्य में रोज़गार के अवसर पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा किए गए प्रयासों को महत्व नहीं दे रहे हैं।

अजमेर में भारी बारिश, घरों में पानी भरा,लोग बहे

नई दिल्ली ,एजेंसी। राजस्थान के अजमेर में अनासागर चौपाटी इलाके में झील का पानी आसपास के इलाकों में भर गया। वहीं दरगाह बाजार इलाके में शुक्रवार रात लोग तेज धार में बह गए बंगाल की खाड़ी में डिप्रेशन सिस्टम एक्टिव होने से राजस्थान के 6 जिले- जोधपुर, नागौर, पाली, अजमेर, सिरोही, जालोर में भारी बारिश हो रही है। शनिवार को अजमेर और टोंक में बाढ़ जैसे हालात हैं। कई इलाकों में पानी भर गया है। शनिवार को कोटा, बारां, झालावाड़, अजमेर, बूंदी, राजसमंद और नागौर के स्कूलों

में छुट्टी घोषित कर दी है। अजमेर के दरगाह बाजार इलाके में शुक्रवार की रात तेज बारिश से कई लोग बह गए। राजस्थान में मानसून के इस सीजन में अब तक औसत से 109 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। राजसमंद में तालाब फूटने (बांध टूटने) से 3 स्कूली बच्चों सहित 7 लोग पानी के बहाव में फंस गए। जोधपुर के अरना-झरना क्षेत्र में डूबने से युवक की मौत हो गई। सीकर में 13 साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। राजस्थान में बारिश से हुए हादसों में बीते चार दिन में 23 लोगों की जान गई है।

वन परिक्षेत्र सरदारपुर में 6 मोर मृत पाये गये

भोपाल,एजेंसी। धार जिले के वन परिक्षेत्र सरदारपुर की सब रेंज बदनावर बीट राजौद अंतर्गत ग्राम आनंदखेड़ी के राजस्व क्षेत्र में कोटेश्वर नदी के किनारे 6 मोर मृत पाये गये। वन मण्डलाधिकारी धार श्री अशोक कुमार सोलंकी ने बताया कि मोर की मृत्यु की सूचना प्राप्त होने पर परिक्षेत्र अधिकारी सरदारपुर द्वारा मौका पर जाकर जाँच की गयी। जाँच में मौके पर पंचनामा तैयार कर वैधानिक कार्रवाई कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। शासकीय पशु चिकित्सा अधिकारी धार द्वारा मृत पक्षी मोर के शवों का परीक्षण किया गया। परीक्षण रिपोर्ट आने पर वस्तु-स्थिति प्राप्त होगी। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष नियमानुसार दाह-संस्कार की कार्यवाही की गयी।

गेहूँ का अधिकतम स्टॉक 3 हजार मीट्रिक टन रख सकते हैं व्यापारी-खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल ,एजेंसी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि भारत सरकार द्वारा व्यापारियों के लिए 31 मार्च, 2026 तक के लिये गेहूँ के स्टॉक की सीमा निर्धारित कर दी गयी है। व्यापारी/थोक विक्रेता 3 हजार मीट्रिक टन तक और रिटेलर 10 मीट्रिक टन तक गेहूँ का भण्डारण कर सकते हैं। इसी तरह चेन रिटेलर के प्रत्येक आउटलेट के लिये 10 मीट्रिक टन की सीमा इस आधार पर निर्धारित की गई है कि सभी आउटलेट पर अधिकतम मात्रा आउटलेटों की कुल संख्या के 10 गुना मीट्रिक टन से अधिक भण्डारित नहीं होना चाहिये। प्रोसेसर के लिये स्टॉक की मात्रा उसकी मासिक स्थापित क्षमता के 70 प्रतिशत मात्रा को वर्ष 2025-26 के शेष महीनों से गुणा करने पर आने वाली मात्रा से अधिक नहीं होना चाहिये।

166 स्थाई और 25 चलित रसोई केंद्रों से जरूरतमंदों को 5 रूपये में भोजन

भोपाल ,एजेंसी। दीनदयाल रसोई योजना में नगरीय निकायों द्वारा अब तक करीब 4 करोड़ 60 लाख भोजन थाली का वितरण मात्र 5 रूपये प्रति थाली की दर पर जरूरतमंदों को किया गया है। यह योजना 51 जिला मुख्यालयों के 191 रसोई केन्द्रों के माध्यम से संचालित है। इनमें 166 स्थाई और 25 चलित रसोई केन्द्र कार्यरत हैं। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय और श्रम कार्यों के सिलसिले में ग्रामीण क्षेत्रों से जरूरतमंद परिवारों का निरंतर आगमन होता है। नगरीय निकायों द्वारा इनके ठहरने और किफायती दर पर भोजन व्यवस्था के प्रयास किये जा रहे हैं। वर्तमान में 166 स्थाई रसोई केन्द्र में से 16 नगर निगमों में 58 रसोई केन्द्र और 99 नगर पालिका परिषद में 99 रसोई केन्द्र और 9 नगर परिषदों में 9 रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही 25 चलित रसोई केन्द्र में से 16 नगर निगमों में 23 और 2 नगर पालिका परिषद में 2 चलित रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। नगरीय निकायों द्वारा चलित रसोई केन्द्र की व्यवस्था इस उद्देश्य से की गई है कि जिन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रमिक कार्य कर रहे हैं उन्हें कार्य स्थल पर ही किफायती दर पर भोजन उपलब्ध कराया जाये। प्रदेश में चलित रसोई केन्द्र के वाहनों और उपकरणों की एकरूपता के लिये नगरीय प्रशासन संचालनालय ने सुसज्जित वाहन उपलब्ध कराने की योजना तैयार की है। इसी के साथ दीनदयाल रसोई योजना के लिये नगरीय निकायों को अनुदान राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के विस्तार के लिये 68 नवीन रसोई घरों के संचालन का प्रस्ताव स्वीकृति के लिये राज्य शासन को भेजा गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 6 धार्मिक नगरों मैहर, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, महेश्वर, ओरछा और अमरकंटक में भी बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये दीनदयाल रसोई योजना का विस्तार किया है। नगरीय निकायों द्वारा जरूरतमंदों को दी जाने वाली थाली में परोसे जाने वाले खाने की गुणवत्ता पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के लिये 365 दिन टैलेंट सर्च-मंत्री सारंग

भोपाल ,एजेंसी। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के लिये प्रत्येक दिन टैलेंट सर्च के संकल्प के साथ कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश की लगभग 9 करोड़ जनसंख्या में से कम से कम 50 लाख युवाओं की खेल प्रतिभा को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। श्री सारंग शुक्रवार को समन्वय भवन में आयोजित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों तथा युवा समन्वयकों की कार्यशाला में संवाद कर रहे थे। कार्यशाला में विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचायें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि युवा समन्वयकों से 3 माह बाद पुन: संवाद होगा। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में जनसंख्या कम है वहां खिलाड़ियों की खोज के लिए ब्लॉक का क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च आयोजित किया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि युवा समन्वयक स्कूल गेम्स और अन्य विभागों से भी समन्वय करें। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि समन्वयक प्रत्येक ब्लॉक में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के संपर्क में रहें और उन्हें विभागीय गतिविधियों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा समन्वयकों की तीन माह बाद कार्यों की पुन: समीक्षा की जाएगी। कम जनसंख्या वाले किन्तु खेल प्रतिभा वाले ब्लॉकों को जोड़कर ब्लॉक क्लस्टर बनाकर टैलेंट सर्च कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी उन्होंने दिया। कार्यशाला के दौरान खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, एक जिला-एक खेल, खेलो एमपी यूथ गेम्स के नए स्वरूप, टैलेंट सर्च कार्यक्रम और जिलों में किये गए नवाचारों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मंत्री श्री सारंग ने युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाई जा सकती है। उन्होंने कहा, हम केवल अच्छे खिलाड़ी नहीं बल्कि अच्छे नागरिक और समाज के कर्णधार बना रहे हैं।

कार्यशाला में शहडोल के युवा समन्वयकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर मंत्री श्री सारंग ने विचारपुर (मिनी ब्राज़ील) में शीघ्र ही फुटबॉल फीडर सेंटर की स्थापना की घोषणा की। धार जिले के सरदारपुर में फुटबॉल को लेकर बढ़ते उत्साह और प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति चौहान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर खेल एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करने को भी कहा। उन्होंने उत्साहवर्द्धन के लिये विचारपुर और सरदारपुर के बीच भोपाल में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिये भी निर्देशित किया।

मध्यप्रदेश भवन में हुई मैहर बैंड की सांस्कृतिक संध्या

भोपाल ,एजेंसी। मध्यप्रदेश भवन में शुक्रवार को आवासीय आयुक्त श्रीमती रश्मि अरुण शमी के मुख्य आतिथ्य में सांस्कृतिक संध्या में मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध मैहर बैंड की प्रस्तुति दी गई। मैहर बैंड की प्रस्तुति में जल तरंग वादन में श्री सौरभ कुमार चौरसिया, वायलिन में श्री गोकर्ण प्रसाद पांडे, हारमोनियम में श्री गौतम भारती, सरोद-वादन में श्री बृजेश कुमार द्विवेदी, तबला-वादन में डॉ. अशोक कुमार बाड़ोलिया और सारंगी पर श्री मोहम्मद अहमद खान ने संगत दी।

बैंड द्वारा विभिन्न शास्त्रीय राग और लोकधुनों की प्रस्तुति दी गयी। आवासीय कला संस्था आर्ट ईचौल मैहर की संस्थापक श्रीमती अंबिका बैरी ने संस्था द्वारा दिए जा रहे सिरेमिक, काष्ठ, मेटल और पत्थर शिल्प-कला प्रशिक्षण और फैलोशिप पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मैहर जिले के ग्राम महेदर के गीताजंली इंटरनेशनल के डेलास ब्रांड द्वारा जिले के ओडीओपी टमाटर के प्रसंस्कृत उत्पादों में सॉस, कैचअप, प्यूरी और चटनी प्रदर्शित और विक्रय की गई।

मैहर के शारदा माता के प्रसाद के साथ मृगनयनी और विंध्य हर्बल्स के उत्पादों पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की गई। कार्यक्रम में नई दिल्ली में पदस्थ मध्यप्रदेश शासन के अधिकारी-कर्मचारी और दिल्ली में निवासरत मध्यप्रदेश के निवासी उपस्थित थे।

नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाएं रखें : : राज्यमंत्री गौर

भोपाल ,एजेंसी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 56, 60 और 61 के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में नागरिक सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साकेत नगर के रहवासियों द्वारा पाले गए दर्जनों कुत्तों के कारण क्षेत्र में फैली गंदगी और विवाद की स्थिति गंभीर है।

उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की जाए। रहवासी क्षेत्रों में इस प्रकार की गतिविधियां आमजन के लिए परेशानी का कारण बनती हैं और समय रहते इन पर रोक आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राजधानी के अन्य इलाकों से भी कुत्तों के काटने से जुड़ी दुर्घटनाओं और असुविधा की शिकायतें लगातार मिल रही थीं, जिन्हें गंभीरता से लेते हुए ये निर्देश जारी किए गए हैं।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने मानसून को ध्यान में रखते हुए तीनों वार्डों में नाली, सीवेज, स्ट्रीट लाइट और जल निकासी की व्यवस्थाओं का तत्काल निरीक्षण कर समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए, ताकि जनहानि और असुविधा से बचा जा सके।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड 56 स्थित शंकर नगर हनुमान मंदिर के पास आम रास्ता बंद करने वाले पेट्रोल पंप मालिक पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंदिर के पास अतिक्रमण कर संचालित मांस-मदिरा दुकानों पर रोक लगाई जाए। उन्होंने आनंद विहार कॉलोनी में अवैध कालोनियों पर कार्रवाई और पेयजल हेतु सम्पवेल निर्माण करने के लिए भी निर्देशित किया।

वार्ड 61 की कॉलोनियों में पेयजल पाइपलाइन, सीवेज, हाईमास्ट लाइट, पार्क विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए और वार्ड 60 की आजाद नगर, प्रगति नगर, अवंतिका एवेन्यू फेस सहित एक दर्जन कॉलोनियों में आंगनवाड़ी भवन, नाली निर्माण, नाला सफाई, चौड़ीकरण व पाइपलाइन कार्य करने की बात कही। बैठक में पार्षद श्रीमती मधु शिवनानी, श्री बी. शक्ति राव, श्री नीरज सिंह, श्री सुरेंद्र घोटे, श्री प्रताप सिंह बैंस सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के लिए ऊर्जा संरक्षण

भोपाल ,एजेंसी। भवन क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और सतत विकास के लक्ष्यों की ओर एक सशक्त कदम के रूप में, मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के लिए सम्मेलन कक्ष, भोपाल में ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम् में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता ने उद्घाटन सत्र में संहिता की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आगामी सभी भवन परियोजनाओं में ईसीएसबीसी के प्रावधानों को अपनाने का प्रयास करें। प्रशिक्षण में लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (भवन), कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, उप यंत्री, वास्तुविद, परियोजना प्रतिवेदन अधिकारी एवं सामग्री परीक्षण अभियंता आदि ने भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र का संचालन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो से प्रमाणित मुख्य प्रशिक्षक श्री जे. के. व्यास एवं श्री राणा प्रताप पोद्दार द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के पहले दिन मुख्य प्रशिक्षक श्री जे. के. व्यास ने ईसीएसबीसी की आवश्यकता, इसके लाभ और प्रमुख प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी दी एवं श्री राणा प्रताप पोद्दार ने ईसीएसबीसी के विभिन्न घटकों जैसे - सतत स्थल चयन एवं योजना, भवन आवरण, कम्फर्ट प्रणाली एवं नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, आंतरिक पर्यावरण गुणवत्ता, प्रकाश व्यवस्था एवं नियंत्रण, तथा ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। प्रतिभागियों को अनुपालन तंत्र (कॉम्प्लायंस मैकेनिज़्म) के विषय में व्यावहारिक जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रशिक्षक श्री राणा प्रताप पोद्दार ने ईको निवास संहिता एवं डिज़ाइन भवन सॉफ्टवेयर की सहायता से ऊर्जा एवं प्राकृतिक प्रकाश सिमुलेशन द्वारा कोड अनुपालन के तरीकों को समझाया एवं सिमुलेशन का व्यावहारिक (हैंड्स ऑन) प्रशिक्षण भी दिया।

संत रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क से निकले ग्लोबल प्रोफेशनल्स

भोपाल ,एजेंसी। भोपाल स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (एसएसआरजीएसपी) में शुक्रवार को संस्थान के 104 युवाओं को देश और विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों से नियुक्ति-पत्र प्राप्त हुए। इस वर्ष एसएसआरजीएसपी ने विदेशी प्लेसमेंट के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। संस्थान से अब तक 18 विद्यार्थियों का चयन जापान, दुबई, अबू धाबी और हंगरी की अग्रणी कंपनियों में हो चुका है। इस बार 5 छात्रों को विदेश में करियर की शुरुआत का अवसर मिला है। यह इस बात का प्रमाण है कि एसएसआरजीएसपी अब एक सशक्त ग्लोबल स्किलिंग सेंटर बन चुका है। इस प्लेसमेंट ड्राइव की खासियत यह रही कि चयनित युवाओं में से कुछ को 9 लाख रुपये तक का वार्षिक पैकेज मिला। यह संस्थान की गुणवत्ता, प्रशिक्षण प्रणाली और छात्रों की मेहनत का प्रमाण है। कई प्रशिक्षणार्थी इस अवसर पर अपने माता-पिता के साथ उपस्थित थे। जैसे ही उन्हें मंच पर नियुक्ति पत्र दिये गए, परिवारजन भावुक हो गए। यह आयोजन समारोह के साथ सपनों के साकार होने का मंच भी साबित हुआ, जिसके पीछे वर्षों की मेहनत, विश्वास और संघर्ष था। कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि एसएसआरजीएसपी अब मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों का प्रवेश द्वार बन चुका है। उन्होंने सभी चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह शुरुआत है, आप लगातार सीखते रहें, आगे बढ़ते रहें और अपने मूल्यों से जुड़े रहें। उन्होंने संस्थान की पहल को कौशल और उद्योग के बीच एक मजबूत कड़ी बताया। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एसएसआरजीएसपी जैसी संस्थाएं प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रही हैं। यह केवल मध्यप्रदेश नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

ज्ञान के मार्ग में भाषा बाधक नहीं बने-हिंदी में एमबीबीएस इसी विचार का सुफल

भोपाल ,एजेंसी। मध्यप्रदेश सरकार प्रयासरत है कि भाषा ज्ञान के मार्ग में बाधक नहीं बने। हिंदी भाषा में एमबीबीएस की शिक्षण व्यवस्था इसी सोच का सफल क्रियान्वयन है। भाषा को अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास का माध्यम बनाकर विद्यार्थियों को को सशक्त करना सरकार का लक्ष्य है। मध्यप्रदेश सरकार की मातृ-भाषा हिंदी में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प अब नीतिगत निर्णयों और कार्यान्वयन की ठोस रूपरेखा के साथ तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में मातृ-भाषा हिंदी को सशक्त बनाने के लिए सतत नवाचार किए जा रहे हैं। कुलसचिव मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर ने बताया कि वर्ष 2022 में हिंदी में चिकित्सा शिक्षा के लिए पाठ्यपुस्तकों का विमोचन किया गया था और शैक्षणिक सत्र 2023-24 से विद्यार्थियों के लिए पुस्तके उपलब्ध करायी गई। यह नवाचार अभी अपने प्रारंभिक चरण में है, केवल प्रथम वर्ष की परीक्षाएं आयोजित की गई हैं। विश्वविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगभग 15 से 20 प्रतिशत छात्रों ने मौखिक एवं लिखित परीक्षाओं में हिंदी भाषा का उपयोग किया है। यह प्रथम बैच वर्ष 2027-28 में स्नातक होगा। विश्वविद्यालय द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि आगामी सत्रों से प्रश्नपत्र दोनों भाषाओं हिंदी और अंग्रेज़ी में उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिससे छात्र अपनी सुविधा के अनुसार उत्तर दे सकें।

चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा संकाय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों को मातृ-भाषा में अध्ययन को प्रोत्साहित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। कक्षा और प्रायोगिक शिक्षण में मातृ-भाषा में परीक्षा देने वाले छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो साथ ही परीक्षकों का चयन करते समय यह सुनिश्चित करने के निर्देश हैं कि वे मातृ-भाषा को समझते हों और उसी में छात्रों से संवाद कर सकें। मातृ-भाषा में परीक्षा देने वाले छात्रों को संस्थागत स्तर पर प्रोत्साहन दिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए विशेष समस्या निवारण कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। इन छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था भी की जा रही है। मातृ-भाषा में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप परीक्षा शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का प्रावधान किया गया है। ऐसे विद्यार्थी जो अपनी कक्षा, प्रोफेशनल वर्ष अथवा समस्त पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा नकद पुरस्कार और विशेष उपाधियों से सम्मानित किया जाएगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को मातृ-भाषा रत्न के रूप में दो लाख रुपये की राशि दी जाएगी। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को मातृ-भाषा विभूषण के रूप में एक लाख पचास हजार रुपये, तृतीय स्थान पर आने वाले को मातृ-भाषा भूषण के रूप में एक लाख रुपये और चतुर्थ स्थान वाले को मातृ-भाषा श्री के रूप में पचास हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे बने मकान के मालिकों को नोटिस जारी

भोपाल ,एजेंसी। इंदौर शहर की नई कॉलोनियों सहित कई इलाकों में कई मकान एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित दायरे में बन गये हैं। यह निर्माण वर्षों पहले स?थापित ट्रांसमिशन लाइनों के समीप किए गए जो न केवल गैरकानूनी हैं, बल्कि जानलेवा भी साबित हो सकते हैं। एम.पी. ट्रांसको ने पिछले तीन वर्षों में ऐसे 892निर्माणों के लिये नोटिस जारी किए हैं। एम.पी. ट्रांसको द्वारा अपने स्तर पर इन्हें हटाने के कई प्रयास समय-समय पर किए जाते हैं, साथ ही जिला प्रशासन की मदद से भी अभियान चलाया जाता है। वर्षों पहले स्थापित हुई इन एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे बसे रहवासी मकान न केवल विद्युत सुरक्षा नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि यह जनजीवन को गंभीर खतरे में डाल रहे हैं। इंदौर के लिंबोदी, मुसाखेड़ी, खजराना, मुखर्जी नगर, बाणगंगा, नेमावर रोड, सुखलिया, देवास नाका, खंडवा रोड आदि क्षेत्र ऐसे हैं जहां न्यूनतम सुरक्षा दूरी नहीं है और दुर्घटना की आशंका अधिक है। एम.पी. ट्रांसको इंदौर की कार्यपालन अभियंता श्रीमती नम्रता जैन ने बताया कि इंदौर के ऐसे सभी क्षेत्र जहां पहले से ही ट्रांसमिशन लाइनें क्रियाशील है, फिर भी विद्युत सुरक्षा मापदंड़ों को नजर अंदाज कर उनके समीप अनाधिकृत निर्माण कर लिये गये है, उन क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइनों से दुर्घटना एवं जनहानि होने की आंशका के मद्देनजर वहां कंपनी द्वारा सुरक्षा नियमों की जानकारी घर-घर चस्पा की जा रही है।कर्मचारी लाइनों से सुरक्षित दूरी बनाये रखने के लिए अनाउसमेंट भी कर रहे है। जागरूकता एवं जनसुरक्षा के लिये ट्रांसमिशन लाइनों के संपर्क में आने से संभावित खतरों से सचेत भी कराया जा रहा है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार, 132 केवी या इससे अधिक वोल्टेज की ट्रांसमिशन लाइन के नीचे कम से कम 27 मीटर की सुरक्षित दूरी आवश्यक है, जिससे हवा में झूलते तारों से संपर्क न हो और दुर्घटना टाली जा सके।

महिला बंदियों ने सीखा संवाद, संवेदना और सपनों को संवारने का हुनर

भोपाल ,एजेंसी। कभी टूटी हुई उम्मीदों के सहारे जी रही केन्द्रीय जेल भोपाल की महिलाएं अब सपनों को नया आकार दे रही हैं। केंद्रीय जेल के महिला वार्ड में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में जब इन महिला बंदियों ने रंगों और शब्दों के ज़रिये अपनी ज़िंदगी को कागज़ पर उकेरा, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें गर्व से नम हो गई। यह कार्यशाला मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग और तिनका-तिनका फाउंडेशन के सहयोग से टीवी और समाचार पत्रों के माध्यम से सुधार और व्यक्तित्व विकास विषय पर आयोजित की गई थी। कार्यशाला में महिला बंदियों ने न सिर्फ संवाद के गुर सीखे बल्कि आत्मविश्लेषण, सुधार और एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर होने का संकल्प भी लिया। 56 वर्षीय पुतलीबाई, जो कभी अनपढ़ थीं, आज अख़बार पढ़ती हैं, टीवी समाचार देखती हैं और चित्र बनाना जानती हैं। भावुक होकर उन्होंने कहा,मेरा जीवन बहुत कठिन था। लेकिन यहां मैंने पढ़ना, चित्र बनाना और अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानना सीखा है।

सप्ताह में पांच दिन बंद रहता है बनगवां स्वास्थ्य केंद्र

अनूपपुर। जिले के बनगवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थायी डॉक्टर नहीं है। डोला, डूमरकछार और बनगवां की 10 हजार की आबादी के लिए सिर्फ एक डॉक्टर है। डॉ. कमलेश अगरिया को ग्राम मलगा से अटैच किया गया है। वे केवल शनिवार और सोमवार को बनगवां आते हैं। मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने के लिए 5-6 किलोमीटर की कच्ची सड़क और जंगल से होकर जाना पड़ता है। वार्ड 11 के पार्षद विक्की सिंह ने इस समस्या को नगर परिषद की बैठक में उठाया।

कलेक्टर को भी शिकायत की गई। लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला। सीएमएचओ अनूपपुर आर.के. वर्मा ने बताया कि पहले यहां डॉ. पुष्पेंद्र सिंह तैनात थे। एसईसीएल हॉस्पिटल में नियुक्ति के बाद उन्होंने यहां से इस्तीफा दे दिया।

टीएल नस्तियों को अनिवार्य रूप से एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने अभियान चलाकर शिकायतों के निराकरण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें तथा प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर शिकायतों को निराकृत करायें। कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड नहीं रहे और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम रहे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा उसमें सतत रूप से कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कलेक्टर ने टीएल की नस्तियों पर एक सप्ताह के अंदर आवश्यक कार्यवाही

सुनिश्चित करते हुए अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि जून-25 की शिकायतों के निराकरण में सभी विभाग ए-ग्रेड के लिए प्रयास करेंगे। शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी वैध समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने हितग्राही मूलक योजनाओं तथा भुगतान लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में उदासीनता या लापरवाही बरतने वाले एल1 तथा एल2 अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। बैठक में अपर कलेक्टर अंशुमन राज, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा, उपखण्ड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

चाचा-भतीजे की सड़क हादसे में मौत

भोलेनाथ के दर्शन जा रहे थे दोनों, पिकअप ने मारी टक्कर; चालक फरार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक सड़क हादसे में चाचा-भतीजे की मौत हो गई। घटना कठउतहा गांव के पास शाम 6 बजे हुई। मृतकों की पहचान 49 वर्षीय अनिल तिवारी और 17 वर्षीय आयुष तिवारी के रूप में हुई है। दोनों ग्राम कोलुहा से बाइक पर भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए बढ़ौरा जा रहे थे। कठउतहा गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही चुरहट थाना प्रभारी दीपक सिंह बघेल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर चुरहट अस्पताल भेजा। वहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फरार वाहन को पकड़ने के लिए क्षेत्र में नाकाबंदी की गई है। थाना प्रभारी बघेल ने बताया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कीचड़ भरी सड़क से परेशान टर्रा टोला के ग्रामीण, बच्चों को स्कूल जाने में हो रही दिक्कत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला रीवा के ग्राम पंचायत बेलवा पैकान के रायसागर तालाब टर्रा टोला में सड़क की स्थिति बदहाल है। कीचड़ और गड्ढों से भरी इस सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है, जिससे लगभग 300 लोगों की आबादी वाले इस टोले के ग्रामीणों का जीना दूभर हो रहा है। खासकर बच्चों को स्कूल जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की खराब हालत के कारण बीमार व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाना भी असंभव है। उन्होंने बताया कि कई बार सरपंच को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का गुस्सा इस बात पर है कि इतनी बड़ी आबादी की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उनका कहना है कि जब तक कोई बड़ा हादसा नहीं होगा, तब तक शासन-प्रशासन उनकी सुध नहीं लेगा।स्थानीय लोगों ने प्रशासन और सरपंच से मांग की है कि इस सड़क

की मरम्मत जल्द से जल्द की जाए, ताकि उनकी दिनचर्या और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

रीजनल स्पोर्ट और गेम प्रतियोगिता में नवोदय विद्यालय ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीनस्थ नवोदय विद्यालय समिति की वॉलीबॉल संकुल स्तरीय प्रतियोगिता बिलासपुर क्लस्टर जवाहर नवोदय विद्यालय (सीधी वेन्यू) ऑर्गेनाइज की गई। रीजनल स्पोर्ट और गेम प्रतियोगिता की टीम खेल अधिकारी श्री रवि कुमार पांडे के कंटिजेंट मैनेजर अधीनस्थ तथा अन्य क्लस्टर के खेल अधिकारियों के मार्गरक्षण मेंरीजनल वेन्यू जवाहर नवोदय विद्यालय शाजापुर (मध्यप्रदेश) क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता के लिए गई थी। 17 से 19 जुलाई तक रिजिनल प्रतियोगिता (उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश) संपादित हुई। बिलासपुर क्लस्टर तीनों वर्ग में विजेता रहा। खिलाड़ियों को विनर मेडल और ट्रॉफी जीतने के लिए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने सभी

खिलाड़ियों और प्रतिभागियों को कॉम्पिटेटिव अथक सराहनीय प्रयास के लिए बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागिता के लिए खिलाड़ियों के मनोबल को आगे बढ़ाया, जिससे बिलासपुर क्लस्टर (वेन्यू सीधी) का नाम रोशन हो।

बढ़ौरा शिव मंदिर के पास नदी में अचानक आई बाढ़

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्थित बढ़ौरा शिव मंदिर के पास शनिवार दोपहर को नदी में अचानक सुबह 11 बजे बाढ़ आ गई। आसपास के खेतों और पहाड़ों से तेज बहाव के साथ पानी नदी में पहुंचा। इससे मंदिर के दोनों ओर श्रद्धालु फंस गए। अभी 2 घंटे तक पानी नहीं निकल पाया है जहां पर पुल के ऊपर 3 फीट पानी बह रहा है। कुछ श्रद्धालु मंदिर परिसर के अंदर हैं। कुछ बाहरी हिस्सों में रह गए हैं। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने नदी के दोनों किनारों पर बैरिकेडिंग कर दी है।

स्थानीय ग्रामीण शक्तिमान साहू ने बताया कि बाढ़ से नदी का जलस्तर बढ़ गया है। श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। प्रशासन को तत्काल सूचना दी गई। गोपद बनास के एसडीएम नीलेश शर्मा के अनुसार क्षेत्र में लगातार बारिश से यह स्थिति बनी है। अब स्थिति नियंत्रण में है। पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है। उन्होंने लोगों से नदी किनारे से दूर रहने की अपील की है। प्रशासन श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहा है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर तैनात है। श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने को कहा गया है।

त्यौंथर में बाढ़ के बाद विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने बांटी राहत सामग्री, लिया नुकसान का जायजा

मीडिया ऑडीटर, त्यौंथर (निप्र)। तहसील में लगातार कई घंटों की भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए थे, जिससे क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में भारी नुकसान हुआ। कई लोगों के घर पूरी तरह ढह गए, और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। राहत की बात यह है कि अब बारिश थम गई है और बाढ़ का पानी भी कम हो रहा है। इस बीच, त्यौंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की।विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने सबसे अधिक प्रभावित रायपुर सोनौरी सहित कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर नुकसान का जायजा लिया और पीड़ितों को ढांढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने तिरपाल, पन्नी, भोजन सामग्री और रोजमर्रा की जरूरत का सामान वितरित किया, ताकि प्रभावित लोगों को तत्काल राहत मिल सके। विधायक ने कहा, "हर पीड़ित परिवार तक राहत किट पहुंचाई जाएगी। तहसील स्तर के

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर प्रभावितों के खातों में राहत राशि जल्द से जल्द हस्तांतरित की जाए।" उन्होंने आश्वासन दिया कि संकट के हर दौर में वे जनता के साथ खड़े रहेंगे। इस अवसर पर एसडीएम त्यौंथर पीएस त्रिपाठी, तहसीलदार राजेंद्र शुक्ला सहित प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

शासन के निर्देशों की अनदेखी, मजदूरों की सुरक्षा दांव पर

बारिश के बीच सिहावल-नगझर पुल पर हो रहा काम, चेतावनी के बाद नहीं हुआ काम बंद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जनपद पंचायत सिहावल क्षेत्र में सिहावल-नगझर पुल का निर्माण कार्य मानसून के दौरान भी जारी है। शासन के निर्देश हैं कि 15 जून के बाद मानसून में निर्माण कार्य रोक दिया जाए। बिहार से आए मजदूर रविंद्र और पांच अन्य मजदूर यहां काम कर रहे हैं। एक घटना में शटरिंग की प्लेट नीचे गिर गई थी। उस समय नदी का जलस्तर उफान पर था। स्थानीय निवासी राम सुशील पटेल ने बताया कि बाढ़ के कारण नदी में पानी बढ़ गया है।

प्रोजेक्ट से जुड़े इंजीनियर आशुतोष चौरसिया के अनुसार, प्रोजेक्ट मैनेजर को चेतावनी दी गई थी। फिर भी निर्माण कार्य जारी है। मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है। मजदूर सुशील कुमार ने बताया कि ठेकेदार हिमांशु उनकी मजदूरी लेकर फरार हो गया है। मजदूर राशन दुकानों से उधारी लेकर अपना पेट भर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने सिहावल एसडीएम प्रिया पाठक से शिकायत की है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस मामले पर एसडीएम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

12 दिन से लापता युवक का मिला शव, हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सरई इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 12 दिनों से लापता पुष्पेंद्र साहू का शव उसके घर से 4 किलोमीटर दूर झरिया के जंगल में रेत के गड्ढे में दबा मिला है। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। शव की हालत खराब होने के कारण पहचान कपड़ों के आधार पर की गई है। सूचना मिलते ही सरई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि मृतक की पहचान की पुष्टि डीएनए टेस्ट से की जाएगी। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मृतक के चाचा रमेश साहू ने पड़ोसी परिवार पर संदेह जताया है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले पड़ोसियों से विवाद हुआ था।

सीधी में फोर व्हीलर ने ठेले को मारी टक्कर, ठेला मालिक घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुबरी बाजार में एक तेज तेज रफ्तार फोर व्हीलर ने सब्जी ठेले को टक्कर मार दी। हादसे में फल और सब्जी का ठेला लेकर बाजार जा रहे रामदयाल साकेत घायल हो गए घटना शनिवार सुबह 11 बजे की है।

फल-सब्जी सड़क पर बिखरी: टक्कर के बाद ठेला पलट

गया। तकरीबन 10 हजार रुपए की फल-सब्जी सड़क पर बिखर गई। हादसे में रामदयाल को सिर, हाथ और पैर में चोटें आईं। उनके हाथ की दो उंगलियां टूट गईं।

आरोपी ड्राइवर मौके से हुआ फरार: मौके पर मौजूद लोगों ने 108 एम्बुलेंस बुलाकर उन्हें जिला अस्पताल, सीधी पहुंचाया। डॉक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें प्राथमिक इलाज दिया जा रहा है। हादसे के बाद गाड़ी चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

वित्तीय समावेशन के लिए पंचायत स्तर पर विशेष सेचुरेशन शिविरों का हो रहा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वित्त मंत्रालय भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के निर्देशानुसार सीधी जिले की समस्त 400 ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन 01 जुलाई से 30 सितंबर तक बैंकों के द्वारा विशेष सेचुरेशन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 17 जुलाई को सीधी जिला के कुसमी जनपद के गैवता, मझौली जनपद के नेबूहा, रामपुर नैकिन जनपद के खैरा, सीधी जनपद के धनखोरी एवं सतनरा पवाई और सिहावल जनपद के खुटेली ग्राम पंचायतों मे शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न बैंकों के कर्मचारी, बैंक मित्र एवं सी.एफएल. के द्वारा शिविर संचालन के उद्देश्यों यथा- ग्राम पंचायत अंतर्गत समस्त पात्र निवासियों का जनधन खाता खोलना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन योजना, खातों की त्म-ज्ञल्ब नामांकन आदि सरकारी एवं बैंकिंग योजनाओं के लाभ एवं इससे जुड़ी

जानकारियों को नागरिकों तक उपलब्ध कराया गया। शिविर मे उपस्थित समस्त नागरिकों को जनधन खाते मे त्म-ज्ञल्ब एवं नामांकन कराने की आवश्यकता से अवगत कराया गया। एफएल.सी. के द्वारा साइबर धोखाधड़ी और उससे बचाव की जानकारी प्रदान की गई।

इसी तारतम्य मे ग्राम पंचायत धनखोरी जनपद सीधी एवं ग्राम पंचायत नेबूहा जनपद मझौली में जिले के अग्रणी जिला प्रबंधक अवध बिहारी चौधरी एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा शिविर मे उपस्थित होकर ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक को वित्तीय समावेशन के विशेष अभियान का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

सड़क-एंबुलेंस की सुविधा नहीं, घर पर हुआ प्रसव

जुड़वा बच्चियों में से एक की मौत; खाट पर 2 किमी ले जाना पड़ा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी जनपद के धानी गांव में बुनियादी सुविधाओं के अभाव में एक महिला को घर पर ही प्रसव करना पड़ा। वहीं प्रसव के बाद महिला को खाट पर लेकर उसे परिजन दो किमी दूर सड़क तक उसको कंधे पर लेकर पहुंचे। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। बृहस्पति कोल की पत्नी गल्लू देवी ने शुक्रवार शाम 5 बजे जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया। जन्म के कुछ घंटों बाद ही एक बच्ची की मौत हो गई। शनिवार सुबह स्थानीय समाजसेवी कुलदीप पाठक को घटना की जानकारी मिली। वे तुरंत मौके पर पहुंचे।

महिला की स्थिति को देखते हुए उन्होंने परिजनों को अस्पताल ले जाने की सलाह दी। सड़क और एम्बुलेंस की सुविधा न होने के कारण परिजनों को महिला को खाट पर लेकर 2 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा। इसके बाद ऑटो से कोरसर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने मां और जीवित बच्ची की जांच की।

बीएमओ बोले- बच्चे की जान को खतरा: ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर हरिशंकर बैंस ने बताया कि नवजात बच्चे का वजन 1 किग्रा से भी काम है। इसलिए उन्हें उपचार के लिए बैढ़न के जिला अस्पताल में रेफर किया गया है। लेकिन परिजन जिला अस्पताल ले जाने की वजह महिला को घर ले गए हैं। बच्चे की जान को खतरा है। बहरहाल महिला को खाट पर ले जाने का यह वीडियो अब सामने आया है। चितरंगी इलाके से ही प्रदेश की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह आती हैं। सोशल मीडिया पर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं कि अगर मंत्री जी अपने ग्रह ग्राम की सड़क नहीं बनवा पा रहीं तो बाकी प्रदेश का क्या हाल होगा।

विचार

दादी-नानी की कहानियां व लोरियां में छिपा सकारात्मक संदेश

पापा की परी या परा हो या दादी-नानी के नाती-पोतें, दादी-नानी की कहानियां या लोरियां आज बीते जमाने की बात हो गई है। दादी-नानी की कहानियां व लोरियों में सकारात्मक संदेश छिपा होता था। यह कोई मनोरंजन का माध्यम ना होकर बच्चों के मानसिक, पारिवारिक व सामाजिक समझ और जिज्ञासु प्रवृति को बढ़ावा देती थी। बच्चों में क्यूरिओसिटी बढ़ाने के साथ ही सार्थक अंत होने से बच्चों को कोई ना कोई संदेश अवश्य मिलता था। यह कोई हमारे देश की ही बात नहीं थी अपितु समूचे विष्व में दादी-नानी की कहानियों व लोरियों से बच्चों को एकाग्रता, जिज्ञासु प्रवृति, सोच व कल्पना शक्ति को बढ़ावा देने के साथ ही संवेदनशीलता और संबंधों की अहमता को समझाने में सहायक होती थी। अब वैश्विक अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। हांलाकि यह जेनरेशन जेड यानी की 1996 से 2010 की पीढ़ी इस तथ्य को अभी समझ नहीं पा रही है पर वैश्विक अध्ययनों ने यह साफ कर दिया है कि हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी से संवेदनशीलता और अच्छे-बुरे की बात करना कोई मायने नहीं रखेगी। दरअसल आज के बच्चों की दुनिया दादी-नानी की कहानियां या लोरियों के स्थान पर मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर खुराफाती, हिंसात्मक, नकारात्मक, नित नए दुश्चक्र रचते और संबंधों को तार तार करते सिरियलों या इसी तरह के एपिसोड़ से दो चार हो रही है। आज के बच्चों में हिंसा, बदले की भावना, इच्छा, मिल बांटने के स्थान पर एकलखोरी और ना जाने कितनी ही नकारात्मकता मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर चलने वाले सिरियलों, एपिसोड़ों और प्रसारित होने वाले गेम्स के माध्यम से परोसी जा रही है। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। बच्चों में रेवेन्ज की भावना कूट कूट कर भरती जा रही है तो सहनशक्ति तो कोई मायने ही नहीं रखती। रिश्ते तार तार हो रहे हैं यह एक अन्य बात है। जेन जेड़ पीढ़ी की मानसिकता का असर आने वाली पीढ़ी पर दिखाई देने लगी है। जेन जेड बिना काम की प्रतिस्पर्धा में तो आगे हैं पर सामाजिक समरसता की भावना से दूर होती जा रही है। अपने में सिमटती यह पीढ़ी देश और समाज को सकारात्मकता क्या दे पायेगी यह सवालों के घेरे में आने लगा है। दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही उनमें से कुछ कपोल कल्पना के आधार पर हो या फिर राजारानी की कहानियां हो बच्चों के कोमल मन को एक संदेष देती थी। इसके साथ ही उस जमाने में बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने की आदत ड़ाली जाती थी। लाइब्रेरी का कांसेप्ट तो आज बदल ही चुका है। आज लाईब्रेरी का अर्थ किराये के स्थान पर बनी केबिननुमा दढ़बे में अपने घर से ले जाई गई किताबों को रटने तक सीमित हो गया है। मौहल्लों में पांच-सात घरों की दूरी पर ही इस तरह की लाइब्रेरी मिल जाएगी। जबकि एक जमाने में लाइब्रेरी के मायने ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें, समाचार पत्र-पत्रिकाएं आदि को वहां बैठकर पढना व आवश्यकता होने पर लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त कर पुस्तक आदि घर लाकर पढ़ना होता था। आज तो पढ़ने-पढ़ाने की आदत ही समाप्त होती जा रही है। एक समय था जब वार्षिक परीक्षाओं के बाद बारी बारी से दादी-नानी के घर धमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात की सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चें होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था। इससे कोमल मन को अलग तरह का ही संदेश मिलता था। चंदामामा, चंपक सहित बहुत सी बच्चों की पत्रिकाएं घर में होना और बच्चों के पास होना गौरव की बात माना जाता था। आपस में बांट कर बारी बारी से पढ़ने की हौड़ लगती थी। खैर यह बीते जमाने की बात हो गई है। अब तो गुगल गुरु ने लगभग सभी की पढ़ने पढ़ाने की आदत को ही बदल कर रख दिया है। डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है तो समय की कमी, अंधी प्रतिस्पर्धा, माता-पिता व परिजनों का लिखने पढ़ने से परहेज, बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है। कोरोना के बाद तो जिस तरह से मोबाइल को ही अध्ययन का माध्यम बनाया गया उससे भी बच्चे मोबाइल के दास हो गए।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

ललित गर्ग

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तदील हो रहा है? योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को ज़िम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और 'बदहाल कानून-व्यवस्था' को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज़ किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

मानवीय इच्छाशक्ति की विजय के प्रतीक थे फौजा सिंह

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मशहूर एथलीट फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में सड़क हादसे में निधन, अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट, पंजाब विधानसभा में पेश बेअदबी विरोधी विधेयक पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी।

चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' अपने संपादकीय में लिखता है- 114 वर्षीय मैराथन धावक फ़ौजा सिंह की अपने गृहनगर जालंधर के निकट एक सड़क दुर्घटना में मौत ने उस जीवन का अंत कर दिया, जिसने उम्र, सहनशक्ति और साहस की सीमाओं को चुनौती दी थी। वह सिर्फ़ एक बुज़ुर्ग मैराथन धावक नहीं थे, बल्कि समय की मार पर मानवीय इच्छाशक्ति की विजय के प्रतीक थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने जन्म प्रमाण पत्र की कमी के कारण उनके रिकॉर्ड को दर्ज करने से इनकार कर दिया, लेकिन फौजा सिंह को अपनी पात्रता साबित करने के लिए किसी भी कागजात की आवश्यकता नहीं थी और उन्होंने अपनी दौड़ जारी रखी। फौजा सिंह ने अपनी पहचान से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने लंदन मैराथन में बिना पगड़ी के दौड़ने से इनकार कर दिया। फौजा सिंह ने लोगों में उम्मीद जगाई और अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया कि उम्र किसी भी चीज़ में बाधा नहीं बन सकती। उनकी प्रसिद्धि वैश्विक स्तर पर तब फैली जब उनकी तुलना मुहम्मद अली और डेविड बेकहम से की जाने लगी। अन्य लोगों के साथ, वह एडिडास के असंभव कुछ भी नहीं अभियान का चेहरा बन गए।

जालंधर से प्रकाशित पंजाबी जागरण लिखता है- फौजा सिंह ने बार-बार साबित किया कि उम्र बस एक संख्या है। अगर आपमें जुनून और साहस है, तो कोई भी चुनौती असंभव नहीं है। दुनिया उन्हें %बर्न्ड टॉरनेडो के नाम से जानती थी क्योंकि भारत के प्रसिद्ध लेखक और पत्रकार खुशवंत सिंह ने टर्बन्ड टॉरनेडो शीर्षक से उनकी जीवनी लिखी थी। सिमरनजीत सिंह ने बच्चों के लिए एक किताब लिखी, फौजा सिंह कीप्स गोइंग%, जो सिख चरित्र पर केंद्रित पहली प्रमुख बच्चों की किताब थी। उनके जीवन पर कई वृत्तचित्र और फ़िल्में बनीं, जिनमें फ़ौजा सिंह- स्पिरिट ऑफ़ द मैराथन% और %अनब्रोकन% शामिल हैं। अखबार आगे लिखता है— साल 2013 में, 101 वर्ष की आयु में, फौजा सिंह ने दौड़ से संन्यास ले लिया, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य, आनंद और दान के लिए दौड़ना जारी रखा। सादगी, शाकाहारी जीवनशैली और सिख सिद्धांतों के प्रति समर्पण ने उन्हें न केवल एक महान एथलीट बनाया, बल्कि एक प्रेरक व्यक्तित्व भी बनाया। उनकी विरासत पंजाब, पंजाबियों और दुनिया भर के लोगों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

जालंधर से प्रकाशित अज दी आवाज लिखता है— फौजा सिंह %जब जागो, तब जागो के आदर्श वाक्य के प्रत्यक्ष उदाहरण थे। उनके शुरुआती दिन बेहद चुनौतीपूर्ण थे। सरदार फौजा सिंह उन लोगों के लिए भी एक बेहतरीन उदाहरण रहेंगे जो उम्र की बाधाओं के कारण हिम्मत हार जाते हैं।

चंडीगढ़ से प्रकाशित 'रोजाना स्पोक्समैन' अपने संपादकीय शीर्षक %%युगपुरुष का निधन में लिखता है— फौजा सिंह ने दुनिया के लगभग सभी महत्वपूर्ण शहरों में मैराथन स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। ऐसा करने के पीछे कोई आर्थिक महत्वाकांक्षा या लालच नहीं था बल्कि अगर कोई पुरस्कार राशि होती, तो उसे सामाजिक या धार्मिक कार्यों के लिए दान कर देते थे। उनका पूरा जीवन इस कथन का उदाहरण है कि जो उम्र को बंधन नहीं मानते, उनके लिए किसी भी उम्र में आसमान से कोई दुर्लभ रत्न उतार लाना कोई मुश्किल काम नहीं

है। पंचकूला से प्रकाशित 'निर्भय सोच' लिखता है— वे एक महान व्यक्ति थे। वे सिख जगत के लिए गौरव का स्रोत थे। उन्होंने विश्व में सिखों की पहचान बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

बीते 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के एक महीने बाद जारी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून लिखता है— विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान के उड़ान भरने के एक सेकंड के भीतर ही इंजनों को ईंधन की आपूर्ति बंद कर दी गई थी। क्या यह सॉफ्टवेयर की खराबी के कारण हुआ या मानवीय भूल के कारण? इस अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न ने गंभीर अटकलों को जन्म दिया है, जबकि एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने यह आरोप लगाया है कि जांच में पायलट की गलती को स्वीकार किया गया है, और ऐसा प्रतीत होता है कि समय से पहले ही निष्कर्ष पर पहुंच गई है। अखबार लिखता है— इस दुर्घटना ने लोगों की विश्वसनीयता को भी गहरा धक्का पहुंचाया है। जालंधर से प्रकाशित 'अजीत' लिखता है— अहमदाबाद विमान हादसा देश के हवाई यात्रा इतिहास का सबसे बुरा हादसा था। इसने हवाई यात्रा की सुरक्षा के बारे में कई सवाल खड़े किए हैं। एक महीने बाद जारी दुर्घटना की पहली रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि यह मानवीय भूल थी या तकनीकी गड़बड़ी। पूरी और विस्तृत रिपोर्ट जारी होने में महीनों या सालों भी लग सकते हैं। अखबार लिखता है— भले ही आज हवाई यात्रा प्रणाली को हर दृष्टि से दोषरहित बनाने के लिए बहुत कुछ किया गया है, फिर भी ऐसी दुर्घटना का होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और विमानन कंपनियों के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

पटियाला से प्रकाशित %चढ़दीकलां% लिखता है, यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुर्घटना के बाद विमानन नियामक और संबंधित कंपनियों ने जो सतर्कता और गंभीरता दिखाई, वह पहले नहीं दिखाई गई थी? अगर नहीं, तो अभी इसकी ज़रूरत क्यों है? तो क्या अनिवार्य सावधानियों की यह व्यवस्था भविष्य में भी प्रासंगिक रहेगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि आमतौर पर किसी दुर्घटना से मिले सबक का असर प्रशासनिक व्यवस्था पर ज़्यादा देर तक नहीं रहता और व्यवस्था फिर से उसी ढर्रे पर चलने लगती है। पंजाब में धर्मग्रंथों के अपमान यानी बेअदबी से जुड़ा बेअदबी विरोधी विधेयक बीते दिनों विधानसभा में पेश किया गया। बेअदबी विधेयक पर पटियाला से प्रकाशित %चढ़दीकलां% लिखता है— आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता से यह वादा किया था कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के दोषियों को कड़ी सज़ा दी जाएगी। विपक्ष इस सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि उसने पिछले साढ़े तीन वर्षों में बेअदबी के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। जैसा कि कहते हैं, देर आए दुरुस्त आए। पंजाब विधानसभा ने धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी के विरुद्ध विशेष विधेयक को पारित करने के लिए विशेष सत्र बुलाया था।

केस लड़ते-लड़ते टीआई की मौत, 26 साल बाद इंसाफ

पत्नी ने केस लड़ा, हाईकोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोप में सुनाई गई सजा रद्द की

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में रिश्वत लेने के आरोप में फंसे एक थानेदार की केस लड़ते-लड़ते मौत हो गई। अब करीब 26 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद दिवंगत थाना प्रभारी को हाईकोर्ट से राहत मिली है। जस्टिस संजय अग्रवाल ने ट्रायल कोर्ट की सजा को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने माना है कि, जिस रिश्वत की मांग की बात की गई, उसका कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि शिकायतकर्ता और उसके परिजन को पहले ही जमानत पर रिहा कर दिया गया था, फिर दो दिन बाद उसी जमानत की एवज में पैसे की मांग करने का आरोप असंभव लगता है। मामला महासमुंद के बसना थाना क्षेत्र का है।

यह है मामला: दरअसल, 8 अप्रैल 1990 में ग्राम थुरीकोना निवासी जैतराम साहू ने सहनी राम, नकुल और भीमलाल साहू के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर बसना थाने में एफआईआर की गई थी। तत्कालीन थाना प्रभारी गणेशराम शेंडे ने कार्रवाई की थी। मामला आईपीसी की धारा 324 के तहत जमानती था, इस वजह से तीनों आरोपियों को उसी दिन मुचलके पर रिहा कर दिया गया, लेकिन इसके दो दिन बाद 10 अप्रैल 1990 को एक आरोपी भीमलाल साहू ने रायपुर लोकायुक्त एसपी को शिकायत की थी। इसमें बताया था कि उसे रिहा करने के बदले में एक हजार रुपए रिश्वत मांगी गई थी। इस शिकायत के आधार पर लोकायुक्त की टीम ने रेड की। इसमें थाना प्रभारी शेंडे को रंगेहाथों पकड़ा गया था।

भ्रष्टाचार केस में ट्रायल कोर्ट ने सुनाई सजा: इस कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी पर केस दर्ज किया गया। साथ ही उन्हें गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया गया। लोकायुक्त ने साल 1999 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 13(1)(डी) के साथ धारा 13(2) के तहत चालान पेश किया। इस पर कोर्ट ने थाना प्रभारी को दोषी ठहराते हुए 3 साल कैद और 2 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ शेंडे ने हाईकोर्ट में अपील की थी। अपील लंबित रहते ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद उनकी पत्नी ने अपने पति का केस लड़ा।

हाईकोर्ट ने कहा- रिश्वत का औचित्य नहीं बनता: हाईकोर्ट ने दस्तावेजों और गवाहों के बयानों के आधार पर पाया कि जिस रिश्वत की मांग की बात की गई, उसका कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि शिकायतकर्ता और उसके परिजन को पहले ही 8 अप्रैल को शाम 5 बजे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। तथ्यों के अनुसार, दो दिन बाद 10 अप्रैल को उसी जमानत के एवज में पैसे की मांग करने का आरोप असंभव लगता है।

थाना प्रभारी से नाराज होने पर की थी शिकायत: मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से कोट को बताया गया कि, शिकायत करने वाले भीमलाल साहू ने भी मामले में दूसरे पक्ष के खिलाफ शिकायत की थी। जिस पर कार्रवाई नहीं होने के कारण वो थाना प्रभारी शेंडे से नाराज था। तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने ऐसे में ट्रैप की परिस्थितियों को संदेहास्पद मानी। कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग साबित करने में असफल रहा और ट्रैप में जब्त राशि का कोई वैधानिक आधार नहीं था। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने स्पेशल कोर्ट द्वारा वर्ष 1999 में दी गई तीन साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा को निरस्त कर दिया है।

चोरी का मोबाइल गुमने पर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। चोरी का मोबाइल गुम होने पर दो चोरों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक ने दूसरे का फावड़ा से सिर फोड़कर कर हत्या कर दी। उसकी लाश को दूध डेयरी में फेंक कर भाग गया। पुलिस ने आरोपी को गरियाबंद से गिरफ्तार कर लिया है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। दरअसल, खमतराई के गोवर्धन नगर में सुभाष डेयरी के अंदर धनेश साहू उर्फ धन्नु (25) की लाश मिली है। पुलिस का कहना है कि तरूण मिश्रा उर्फ पूनम ने यह हत्या की है। दोनों एक दूसरे को पहले से जानते थे। पूछताछ करने पर तरूण मिश्रा ने बताया कि दोनों शराब दुकान जाकर शराब पी।

डेयरी दुकान में विवाद: इसी दौरान मृतक धनेश ने शराब दुकान पास किसी व्यक्ति का मोबाइल चोरी कर उसे दिया। नशे की हालत में तरूण मिश्रा उर्फ पूनम ने चोरी किए हुए मोबाइल को कहीं गिरा दिया। जिसके बाद धनेश गुस्सा हो गया और डेयरी में वापस आने के बाद दोनों लड़ाई झगड़ा करने लगे। जिस पर आरोपी ने धनेश को डेयरी से बाहर कर अंदर से ताला लगा था। लेकिन धनेश डेयरी से लगे मकान से चढ़कर डेयरी में पहुंच गया। फिर दोनों के बीच झगड़ा होने लगा। दोनों के बीच गाली गलौज होने लगी।

मोबाइल वापस मांगने पर मर्डर: जिसके बाद आरोपी फावड़े से धनेश उर्फ धन्नू साहू के सिर पर पर मारकर वार किया। जिससे धनेश साहू उर्फ धन्नू की मौके पर ही मौत हो गई। फिर उसकी लाश को डेयरी में फेंक दिया। फिर वह बस से गरियाबंद फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अन्वेषा 2.0 : शासकीय सांख्यिकी पर राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर द्वारा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को न्यू सर्किट हाउस, रायपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में "राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता द्द अन्वेषा 2.0" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्रों व पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्ताफ हुसैन हाजी, उपमहानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर ने की। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. व्यास दुबे, सदस्य, निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, एन. बुलीवाल, अतिरिक्त संचालक, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन, और प्रदीप चौरसिया, प्राध्यापक, सांख्यिकी अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अपने अध्यक्षीय संबोधन में हाजी ने कहा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय 1950 से देश की सेवा में समर्पित है। 75 वर्षों से अपने व्यापक प्रतिदर्श सर्वेक्षणों के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर सशक्त आंकड़े संग्रह कर नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने युवाओं से सांख्यिकी सेवा को करियर के रूप में अपनाकर देश के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। वहीं प्रो. व्यास दुबे ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों में शासकीय सांख्यिकी के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने में सहायक होती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय को इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और इसे एक सराहनीय पहल बताया।

विजेताओं ने खूब बटोरीं तालियां: प्रतियोगिता में डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय की सुश्रीरंजीनी और सुमोक्षांशी पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और 10,000 रुपये नगद पुरस्कार जीता। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के संदीप कुमार गुप्ता और विकास देवांगन को दूसरा स्थान और 6,000 रुपए नगद पुरस्कार मिला।

महिला डिप्टी डायरेक्टर से 90 लाख की ठगी

महिला ठग बोली-6 महीने में कंपनी दोगुना देगी, 20 से ज्यादा ट्रांजैक्शन में भेजे रुपए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। आर्थिक और सांख्यिकी विभाग की महिला डिप्टी डायरेक्टर से करीब 90 लाख रुपए की ठगी हो गई है। इस ठगी में कुछ महिलाएं भी शामिल थीं। जिन्होंने कहा कि अगर आप हमारी कंपनी में पैसा लगाते हैं, तो 6 महीने में दोगुना मुनाफा मिलेगा। डिप्टी डायरेक्टर ठगों की इस बात के झांसे में आ गई। उन्होंने 20 से ज्यादा ट्रांजैक्शन में ठगों को रुपए भेज दिए। जब पैसे वापस नहीं मिले तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इस मामले में नवा रायपुर के राखी थाना में शिकायत दर्ज हुई है। राखी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़िता माया तिवारी संचालनालय के आर्थिक और सांख्यिकी विभाग में डिप्टी डायरेक्टर के पोस्ट पर है। माया तिवारी ने पुलिस को बताया कि 3 मार्च को उनके फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा, जिसमें कहा गया था कि सरकार के सपोर्ट से अगर आप हमारी कंपनी में पैसा लगाते हैं, तो 6 महीने में दोगुना मुनाफा मिलेगा। विज्ञापन में एक वीडियो भी था, जिसे देखकर उन्हें भरोसा हो गया। इसके बाद माया तिवारी ने लिंक पर क्लिक कर अपना रजिस्ट्रेशन किया।

महिला ठग बोली-आपने अच्छा डिसीजन लिया: वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद एक महिला का फोन आया। उसने अपना नाम जारा अली खान बताया। उसने कहा, "आपने रजिस्ट्रेशन करके अच्छा डिसीजन लिया है।" फिर कहा कि आपकी रकम को मैनेज करने के लिए हमारी बुल मार्केट कंपनी एक अकाउंट ऑफिसर नियुक्त करेगी। थोड़ी देर बाद दूसरी महिला संगीता शर्मा का कॉल आया, जिसने खुद को अकाउंट ऑफिसर बताया और फोनपे के जरिए 18-19 हजार के 4-5 ट्रांजैक्शन कराए।

20 से ज्यादा बार में भेजे रुपए: इसके बाद माया को अलग-अलग नंबरों से कॉल आते रहे और उन्हें अलग-अलग अकाउंट नंबरों में पैसे ट्रांसफर करने को कहा गया। माया ने उनपर भरोसा करके करीब 20 से ज्यादा बार पैसे भेजे। इसमें 2.36 लाख, 4 लाख, 50 हजार, 4.52 लाख, 11.3 लाख, 4.81 लाख 9.5 लाख और कई अन्य ट्रांजैक्शन थे। इसके अलावा माया ने फोनपे से भी पैसे भेजे। पैसे मंगवाने के लिए हर बार अलग-अलग अकाउंट नंबर दिए गए।

जुलाई में दोगुने पैसे का दिया झांसा: ठगों ने माया से कहा कि जुलाई तक उनकी रकम दोगुनी हो जाएगी। पीड़िता उनके झांसे में आ गई और ठगों के अकाउंट में करीब 89 लाख 67 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। लेकिन जब तय समत तक पैसे वापस नहीं मिले तो माया को शक हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में जाकर ठगी की शिकायत दर्ज करवाई। फिलहाल इस मामले में राखी पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही है। रायपुर एसएसपी लाल उम्मेद सिंह ने बताया, एक महिला अधिकारी साइबर ठगी का शिकार हुई है। ठग ने महिला को शेयर ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेंट कर बड़े मुनाफे का झांसा दिया। महिला अधिकारी लगातार इन्वेस्टमेंट करती गई।

89 लाख इन्वेस्टमेंट के बाद भी जब प्रॉफिट नहीं मिला तो उन्हें साइबर फ्रॉड का शक हुआ। इसके बाद उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद 20 लाख रुपए होल्ड किया गया है। आगे की जांच की जा रही है।

बस से टकराई तेज रफ्तार बाइक, महिला और युवक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जिले के नवागढ़ में राछाभाटा मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार बाइक और बस के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक पर सवार महिला और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

बाइक सवार तीन लोगों में दो गंभीर रूप से घायल: मिली जानकारी के अनुसार, एचएफ डीलक्स बाइक पर सवार शिवा देवार (24), इंद्रजीत देवार (25) और महिला शिवानी देवार (29) नवागढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान केरा रोड की ओर से शुक्ला ट्रेवल्स की एक बस आ रही थी। जब बस राछाभाटा में एक स्थान पर रुकी, उसी समय सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक सीधे बस से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक की पिछली सीट पर बैठी महिला शिवानी उछलकर सड़क पर जा गिरी। बाइक चला रहे शिवा देवार को गंभीर चोटें आई है। दोनों को तुरंत जिला अस्पताल जांजगीर में भर्ती कराया गया है। बाइक के बीच में बैठे इंद्रजीत देवार को मामूली चोटें आई हैं।

बस के सामने का शीशा टूटा: हादसे में बस के सामने का शीशा पूरी तरह टूट गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

पुलिस कर रही जांच: सूचना मिलते ही नवागढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है और बस ड्राइवर और मौके पर मौजूद लोगों के बयान लिए जा रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है।

पुल की रेलिंग से कार टकराई, 4 दोस्त जिंदा जले

कांकेर में एनएच-30 पर हादसा; पुल निर्माण के चलते डायवर्ट थी सड़क

मीडिया ऑडीटर, कांकेर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के आतुरगांव में एक कार पुल से जा टकराई, हादसे में 4 दोस्त जिंदा जल गए। 18 जुलाई की रात 1 बजे नेशनल हाईवे 30 पर यह हादसा हुआ। स्विफ्ट डिजायर कार में 6 युवक सवार थे, इनमें 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है सभी मूरवेंड से कांकेर की तरफ जा रहे थे। आतुरगांव के पास पुल निर्माण के कारण सड़क डायवर्ट की गई है। तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर कार को नियंत्रित नहीं कर सका और पुल की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। वहीं, युवकों के नशे में होने की भी बात सामने आई है।

नशे में थे कार सवार युवक: कार कांकेर में शांति नगर निवासी प्रशांत सिन्हा की थी। जिसका ड्राइवर युवराज सोरी था। सुबह वह गाड़ी बुकिंग पर ले गया था, फिर रात को मालिक को बिना बताए वो कार ले गया। अस्पताल में भर्ती 2 घायल नशे में पाए गए। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि सभी पार्टी मनाने कांकेर से केशकाल गए थे केशकाल से लौट रहे थे, तभी हादसा हुआ।

टक्कर के बाद कार में फंस गए थे 4 युवक: 2 युवक किसी तरह कार से बाहर निकल गए। 4 युवक कार में फंस गए और आग में जलकर उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही कांकेर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

घायलों का इलाज जारी: एसडीओपी मोहसिन खान ने बताया कि घायल युवकों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर जांच कर रही है।

महिला के हत्यारे का 3 महीने बाद भी सुराग नहीं

एसपी ने आरोपी की जानकारी देने पर 5 हजार इनाम की घोषणा की

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। जिले के रजपुरी में 3 महीने पहले महिला की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई थी। लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल सका है। सरगुजा एसपी राजेश अग्रवाल ने हत्या का सुराग देने वाले को 5 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की है। मामला लखनपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम रजपुरी निवासी मुनेश्वरी राजवाड़े उर्फ आशा राजवाड़े (45) का खून से लथपथ शव उसके घर में 30 अप्रैल 2025 को मिला था। हत्या के पहले मुनेश्वरी राजवाड़े अपने छोटे बेटे गोलू राजवाड़े (18) के साथ अपने मायके ग्राम पुहपुटरा गई थी। 29 अप्रैल को वह अपने घर रजपुरी लौट आई थी, जबकि बेटा नानी के घर ही रुक गया था। गोलू राजवाड़े दूसरे दिन करीब 11 बजे वापस घर पहुंचा। घर के अंदर मुनेश्वरी की लाश पड़ी थी।

हत्यारे का नहीं मिला सुराग: घटना की सूचना पर लखनपुर पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। फोरेंसिक एक्सपर्ट ने बताया कि, मुनेश्वरी की हत्या जब की गई, तब वह सो रही थी। घर में संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। मुनेश्वरी का शव बिस्तर पर पड़ा था। पास ही दीवाल पर खून के छींटे भी मिले। उसके गले पर धारदार हथियार से तीन से चार वार किया गया है। उसकी मौत के बाद शव को कंबल से ढंक दिया गया।

हाईवा से टक्कर के बाद बस पलटी, 3 यात्री गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। महासमुंद जिले के सरायपाली से रायपुर की ओर आ रही शाही ट्रेवेल्स की यात्री बस हाईवा से टक्कर के बाद शुक्रवार दोपहर जोरा ब्रिज पर पलट गई। बस में करीब 20 यात्री सवार थे। हादसे में 2-3 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जबकि अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना दोपहर लगभग 2 बजकर 40 मिनट पर हुई, जब रायपुर की ओर आ रही यात्री बस पहले कार को टक्कर मारी। इसके बाद बस की सामने से आ रहे एक हाईवा से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस पलट गई।

घटना की सूचना मिलते ही एआईटी ट्रैफिक अधिकारी संजय शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बस सरायपाली से दोपहर 12:30 बजे रवाना हुई थी और रायपुर लौट रही थी, तभी हादसा हुआ। घायलों को फौरन नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, दुर्घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। ट्रैफिक को दोनों ओर से डायवर्ट कर यातायात को सुचारू रूप से शुरू किया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

युवतियों को होटल बुलाया, अश्लील मैसेज भेजे

वित्तीय सलाहकार ने खुद को मोटिवेशनल स्पीकर बताकर पैसे निवेश कराए; शारीरिक-शोषण का दबाव बनाया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। कृषि महाविद्यालय में पढ़ रही 2 छात्राओं से ठगी हुई है। आरोपी साहिल गांधी (37 साल) ने खुद को मोटिवेशनल स्पीकर बताकर युवतियों को झांसे में लिया और शेयर मार्केट में प्रॉफिट का लालच देकर उनसे पैसे ले लिए। बाद में उन्हें ब्लैकमेल करने लगा। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। पैसे निवेश के बाद जब प्रॉफिट नहीं हुआ तो छात्रा ने पैसे वापस मांगे, तब आरोपी उन्हें होटल बुलाकर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया। वहीं, दूसरी छात्रा ने भी जब पैसे मांगे तो उससे अश्लील बातें करना शुरू कर दिया, जिसके बाद परेशान होकर दोनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। आरोपी निजी कंपनी में फाइनेंशियल एडवाइजर के रूप में कार्यरत था।

ऐसे हुई शुरुआत: सरकंडा थाना प्रभारी निलेश पांडेय ने बताया कि 22 वर्षीय छात्रा कॉलेज में पढ़ाई करती है। कॉलेज में एक सेमीनार के दौरान उसकी पहचान हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले साहिल गांधी (37) से हुई। वह अपने परिवार के साथ बिलासपुर के तारबाहर क्षेत्र के विनोबा नगर इंदिरा कॉलोनी में किराए के मकान में रहता था।

सेमिनार के बहाने संपर्क, व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर ठगी: 16 जनवरी 2025 को साहिल ने शासकीय कृषि महाविद्यालय में एक सेमिनार आयोजित किया था। जहां आरोपी छात्रों से मिला और खुद को मोटिवेशनल स्पीकर बताया। वर्तमान में वह ईशान तिवारी के फर्म में फाइनेंशियल एडवाइजर के रूप में काम कर रहा था। सेमिनार के बाद उसने छात्राओं से संपर्क कर उनका मोबाइल नंबर लिया और एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया। बाद में उसने व्यक्तिगत रूप से छात्राओं को कॉल कर निवेश के एवज में अच्छा रिटर्न देने का झांसा देकर उनसे एमआई लाइफस्टाइल कंपनी में पैसे निवेश कराए। युवक ने छात्रा को शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर रुपए लगाने कहा। उसकी बातों में आकर युवती और उसकी सहेलियों ने रुपए निवेश कर दिए। पीड़ित छात्रा ने 18 हजार रुपए निवेश किया था।

पैसे मांगने पर शारीरिक संबंध के लिए बनाया दबाव: पैसे इन्वेस्ट करने के बाद भी छात्रा को फायदा नहीं हुआ, तब उसने अपने पैसे वापस मांगे। इस पर साहिल ने उसे एक होटल में मिलने के लिए बुलाया। होटल में उसने छात्रा से कहा कि शारीरिक संबंध बनाने पर ही उसे पैसे मिलेंगे। डर के कारण छात्रा वहां से वापस घर चली आई। कुछ समय बाद जब छात्रा ने यह बात अपनी एक सहपाठी को बताई, तो उसने भी बताया कि साहिल ने उससे 5,000 रुपए निवेश कराए थे। जब उसने पैसे मांगे तो आरोपी ने अश्लील बातें करना शुरू कर दिया, जिससे परेशान होकर उसने बात करना बंद कर दिया। इसके बाद दोनों छात्राओं ने मिलकर साहिल गांधी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पत्नी से भी मारपीट करता था आरोपी: आरोपी सोनीपत के सुदामा नगर मुखी हॉस्पिटल के पास रहने वाला है। आरोपी की हरकतों से उसकी पत्नी भी परेशान है। वह वर्तमान में अपने माता-पिता के साथ अलग रह रही है। आरोपी, बच्चे से मिलने के बहाने ससुराल जाकर पत्नी से मारपीट करता है। इस संबंध में सिविल लाइन थाना में भी एक रिपोर्ट दर्ज की गई है।

एसडीएम ने किया माध्यमिक स्कूल एवं हायर सेकेंड्री स्कूल का औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश पर आज शशि शेखर मिश्रा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भरतपुर एवं मो.स्माइल खान विकासखंड शिक्षा अधिकारी भरतपुर द्वारा शा.उ.मा.वि.देवगढ़ एवं शासकीय उच्च माध्यमिक डोमहरा में हॉयर सेकेंडरी स्कूल के समस्त शैक्षिण स्टॉफ का समीक्षा बैठक लेकर पढ़ाई के बारे में चर्चा किया गया, तथा बेहतर परीक्षा परिणाम लाने हेतु सभी शिक्षकों को लेसन प्लान के कार्य योजना के साथ अध्यापन कार्य कराने हेतु निर्देशित किया गया।

एनएच-44 पर बस और ट्रक की टक्कर, बस ड्राइवर घायल

सिवनी (एजेंसी)। जिले के कुरई थाना क्षेत्र में एनएच-44 एक यात्री बस को ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस ड्राइवर को गंभीर चोटें आई हैं। घटना शनिवार दोपहर 3 बजे की है। दरअसल, नागपुर से जबलपुर जा रही यात्री बस ने हैदराबाद से गोरखपुर जा रहे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश। इस दौरान बस ट्रक से टकरा गई।

बस कंडक्टर समेत सभी यात्री सुरक्षित: घटना की सूचना मिलते ही कुरई थाना पुलिस और एनएच पर तैनात एंबुलेंस-पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। घायल ड्राइवर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुरई ले जाया गया। घायल बस ड्राइवर को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। बस कंडक्टर विशाल राजपूत (26) निवासी गोरखपुर और सभी यात्री सुरक्षित हैं। कुरई थाना प्रभारी कृपाल सिंह तेकाम ने बताया कि हादसे में शामिल वाहनों की संख्या बीआर 06 पीजी 8567 (बस) और जीजे 05 डीज़े 4122 (ट्रक) है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

तहसीलदार की डॉक्टर से बहस, मोबाइल छीनने की कोशिश

जिला अस्पताल में विरोध में ओपीडी सेवाएं बंद; डॉक्टरों का आरोप- अपशब्द कहे

शाजापुर (एजेंसी)। जिला अस्पताल परिसर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर शनिवार सुबह विवाद हो गया। तहसीलदार सुनील पाटिल और डॉक्टर्स के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि डॉक्टरों ने ओपीडी सेवाएं बंद कर दीं। उनका कहना है कि जब तक तहसीलदार पर कानूनी कार्रवाई नहीं होती, वे इलाज शुरू नहीं करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। शनिवार सुबह तहसीलदार सुनील पाटिल, जिला अस्पताल परिसर स्थित हनुमान मंदिर के पास अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे। सिविल सर्जन डॉ. बीएस मैना के मौके पर उपस्थित नहीं होने से तहसीलदार ने नाराजगी जताई।

इसी दौरान उनकी आरएमओ डॉ. गोविंद पाटीदार से बहस हो गई, जो धीरे-

धीरे तीखी कहासुनी में बदल गई। डॉक्टर का आरोप है कि तहसीलदार ने गाली-गलौज की और उनका मोबाइल छीनने की कोशिश की। डॉ. गोविंद पाटीदार ने बताया कि वे सिविल सर्जन को फोन पर जानकारी दे रहा थे तभी तहसीलदार ने मोबाइल छीनने की कोशिश की और अपशब्द कहे। वहीं, डॉ. सचिन नायक सहित अन्य डॉक्टरों ने एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन सौंपकर तहसीलदार पर एफआईआर की मांग की।

डॉक्टर्स का प्रदर्शन, थाने के बाहर दिया धरना: विवाद के बाद जिला अस्पताल के डॉक्टर्स ने इलाज बंद कर दिया और विरोध स्वरूप कोतवाली थाने पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 15 से 20 मिनट तक धरना दिया। बाद में एसडीओपी गोपाल सिंह चौहान मौके पर पहुंचे और डॉक्टर्स से चर्चा की। इसके बाद डॉक्टरों ने ज्ञापन सौंपा और कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई।

पटवारी संघ का तहसील परिसर में धरना: इधर, मामले ने और तूल पकड़ लिया जब पटवारी संघ तहसील परिसर में धरने पर बैठ गया। तहसीलदार के समर्थन में राजस्व विभाग के कई कर्मचारी और अधिकारी वहां एकत्रित हुए। संघ ने डॉक्टरों के आरोपों को गलत बताते हुए तहसीलदार के पक्ष में प्रदर्शन किया।

प्रिंसिपल ने बच्चों से कराई स्कूल की छत की मरम्मत

आलीराजपुर (एजेंसी)। झाबुआ जिले के आदिवासी क्षेत्र में स्थित प्राथमिक शाला देवझिरी में छात्रों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। स्कूल प्रशासन ने बच्चों से छत पर सीमेंट का लेप लगवाया। छत के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार बच्चों की जान के लिए खतरा हैं। स्कूलों की मरम्मत के लिए सरकार हर साल लाखों रुपए का बजट देती है। प्रत्येक स्कूल को मेंटेनेंस के लिए अलग से राशि मिलती हैं। इसके बावजूद स्कूल प्रशासन ने मजदूर नहीं लगाए। उन्होंने बच्चों से ही यह जोखिम भरा काम करवाया।

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रदेश सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही हैं। शिक्षकों के प्रयासों से निजी स्कूलों के बच्चे भी सरकारी स्कूलों का रुख कर रहे हैं। लेकिन कुछ स्कूलों में शिक्षक पढ़ाई की बजाय बच्चों से काम करवा रहे हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। झाबुआ के ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर जय बैरागी ने कहा कि वे बीआरसी को जांच के लिए भेजेंगे। उन्होंने कहा कि गड़बड़ी मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

शादी के नाम पर युवक से 1.19 लाख की ठगी, लुटेरी दुल्हन और साथी गिरफ्तार

विदिशा (एजेंसी)। जिले के सिरोंज के पास एक युवक से शादी का झांसा देकर 1.19 लाख की ठगी की गई। रिश्तेदार के जरिए संपर्क में आई महिला ने भुवनेश्वर की एक युवती से उसकी कागजी शादी कराई। शादी के अगले ही दिन युवती घर से फरार हो गई। बाद में पता चला कि उसका नाम और पहचान दोनों फर्जी थे। मामला सामने आने पर आनंदपुर थाना पुलिस ने युवती और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि गिरोह की मास्टरमाइंड पूजा शर्मा अभी फरार हैं।

राम भरोसे रजक अपने बेटे जितेन की शादी के लिए लड़की की तलाश में थे। इस दौरान उनके एक रिश्तेदार ने उन्हें पूजा शर्मा नामक महिला से मिलवाया, जिसने भुवनेश्वर की लड़की 'पूजा' से शादी करवाने की बात कही। राम भरोसे ने इसके एवज में 1,19,000 की रकम नकद और फोन पे से दी।

सिरोंज में करवाई कागजी शादी: सिरोंज में 13 जुलाई को युवक की 'पूजा' नाम की युवती से कागजी शादी करवाई गई। शादी के बाद युवती घर आई, लेकिन अगली ही रात वह बिना किसी को बताए फरार हो गई। घरवालों ने पहले खुद तलाश की, फिर 17 जुलाई को पुलिस को सूचना दी।

युवती और साथी गिरफ्तार: पुलिस ने जांच के बाद युवती दुर्गीमनी मरांडी और उसके साथी ओमप्रकाश रजक को रास्ते से गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि युवती ने फर्जी नाम 'पूजा' बताकर शादी की थी। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है।

मास्टरमाइंड महिला अभी भी फरार: गिरोह की मुख्य साजिशकर्ता पूजा शर्मा फिलहाल फरार है। पुलिस का कहना है कि उसकी तलाश की जा रही है और उसके खिलाफ भी मामला दर्ज है।

अतिक्रमण रोकने गई फॉरेस्ट टीम को लोगों ने घेरा

मारपीट की कोशिश हुई; जान बचाकर भागे अधिकारी

गुना (एजेंसी)। जिले के बमोरी क्षेत्र में शुक्रवार रात सरकारी जंगल की जमीन पर अतिक्रमण रोकने गई वन विभाग की टीम पर हमला हो गया। जंगल काटकर ट्रैक्टर से जुताई कर रहे लोगों को जब टीम ने रोका तो आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट की कोशिश की। टीम के सदस्य गाड़ी वहीं छोड़कर जान बचाकर मौके से भागे। बमोरी पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सारेठा बीट के वनरक्षक उपेंद्र रघुवंशी (35) ने आज (शनिवार) बमोरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बांसखेड़ी निवासी प्रताप सिंह धाकड़, शासकीय जंगल की भूमि पर ट्रैक्टर से जुताई कर रहा है। सूचना के आधार पर रात करीब 10 बजे वन चौकी पाटन से वनपाल प्रभात कुमार वाजपेयी, वनरक्षक शैलेन्द्र रघुवंशी, धर्मराज रघुवंशी और उपेंद्र रघुवंशी मौके पर पहुंचे।

टीम ने मौके पर देखा कि सरकारी भूमि पर एक ट्रैक्टर चल रहा है। जैसे ही टीम ने ट्रैक्टर चालक को रोका, वह ट्रैक्टर लेकर ग्राम बांसखेड़ी की ओर भाग गया। टीम ने उसका पीछा किया और ग्राम के पास सड़क पर रोका, तभी प्रताप सिंह धाकड़, रघुवर धाकड़ और प्रद्युम्न धाकड़ वहां पहुंचे और वनकर्मियों को गालियां देने लगे। जब टीम ने विरोध किया, तो तीनों आरोपी डंडे और पत्थर लेकर हमला करने के लिए दौड़ पड़े। प्रताप धाकड़ ने जान से मारने की धमकी भी दी। स्थिति बिगड़ती देख टीम को गाड़ी वहीं छोड़कर भागना पड़ा।

वनरक्षक ने 100 डायल कर पुलिस बुलाई: वनरक्षक ने तुरंत 100 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और टीम के साथ मिलकर उनकी गाड़ी वापस लाई। आरोपियों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने, अतिक्रमण करने और सरकारी कर्मचारियों से मारपीट का प्रयास करने के आरोप में वन चौकी पाटन में वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद बमोरी थाने में तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच जारी है।

डामर टैंक में छिपा 486 किलो डोडाचूरा जब्त, नीमच के मनासा नाका रोड से एक तस्कर गिरफ्तार

नीमच (एजेंसी)। सिटी पुलिस ने शनिवार को डामर टैंक से 486 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जब्त पकड़ा है। साथ ही एक कमांडर जीप और डामर टैंक भी जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देश पर थाना प्रभारी विकास पटेल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। 19 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली थी। एक कमांडर जीप (आरजे 09 सी 2014) के पीछे डामर टैंक में अवैध मादक पदार्थ ले जाया जा रहा था। सूचना के आधार पर नीमच-मनासा नाका आम रोड पर नाकाबंदी की गई। तलाशी के दौरान पुलिस को डामर टैंक के अंदर 486 किलो डोडाचूरा मिला। मौके से 25 वर्षीय सुरेश पिता कारुलाल भील को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ग्राम नेवड़ का रहने वाला है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

पिपरिया गांव में नहीं है पक्की सड़क

300 की आबादी; एंबुलेंस तक नहीं पहुंच पाती, मरीजों को डोली में ले जाते हैं

पन्ना (एजेंसी)। जिले में पवई जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत हथकुरी का पिपरिया तिवारी गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। 300 की आबादी वाले इस गांव में आज तक पक्की सड़क नहीं बन पाई है। गांव तक पहुंच मार्ग नहीं होने से एंबुलेंस और डायल 100 जैसी आपातकालीन सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बीमार पड़ने पर ग्रामीणों को डोली या कंधों के सहारे अस्पताल ले जाना पड़ता है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। कीचड़ भरे रास्तों के कारण स्कूली बच्चे विद्यालय नहीं जा पाते।

ग्राम की महिला सुमित्रा वंशकार ने बताया कि सड़क न होने के कारण उनके बीमार पति की मृत्यु हो गई। गर्भवती महिलाओं को भी इस समस्या का सामना करना पड़ता है। 65 वर्षीय हक्की बाई को भी इलाज के लिए डोली पर ले जाना पड़ा। ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन को सड़क निर्माण के लिए आवेदन दिया है। लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांव के कई बुजुर्गों की आंखें सड़क का इंतजार करते-करते पथरा गई हैं। सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग आजादी के बाद से की जा रही है।

कल्ला अहिरवार ने बताया कि वर्षो से सड़क की मांग कर रहे हैं।लेकिन कोई सुनने वाला नही है।बच्चो का भविष्य खराब हो रहा है।गांव के लोगों को समय पर इलाज भी नही मिल पा रहा है। वही जब इस मामले को लेकर जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश उपाध्याय से बात की गई तो उन्होंने कहा कि आप लोगों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है बरसात में वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी ताकि आवागमन हो सकें, वर्षा उपरांत जिला पंचायत में ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रस्ताव पारित करके सड़क मार्ग निर्माण किया जाएगा।

सम्मान समारोह के दौरान फैले कचरे को तुरंत किया साफ

इंदौर के लोगों से मेयर की अपील- कचरा गाड़ी आए तो सफाई मित्रों का स्वागत करें

इंदौर (एजेंसी)। स्वच्छता में लगातार 7 बार और सुपर लीग में भी इंदौर अव्वल रहा है। कुल 8 बार देश में परचम लहराने वाले शहर में 2 दिनों से जश्न का माहौल है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मेयर पुष्यमित्र भार्गव, निगम कमिश्नर शिवम वर्मा सहित सभी जनप्रतिनिधि-अधिकारी इसके लिए आमजन की सहभागिता का परिणाम मान ही रहे हैं। इससे ज्यादा सराहना सफाई मित्रों की भी हो रही है जो दिन-रात इंदौर की सफाई में जुटे रहते हैं। इंदौर के सफाई मित्रों के जज्बे के किस्से नए नहीं हैं लेकिन शुक्रवार को राजवाड़ा पर आयोजित सम्मान समारोह में जश्न के दौरान उनका फिर अलग ही जज्बा देखने को मिला।

कार्यक्रम सुबह 9.30 बजे शुरू होना था जिसकी तैयारियां हो चुकी थी। दूसरी ओर मेयर पुष्यमित्र भार्गव, निगम कमिश्नर शिवम वर्मा कुछ देर बाद एयरपोर्ट पहुंचे तो वहां स्वागत सत्कार का दौर चला। फिर मेयर जुलूस के रूप में वहां से रवाना हुए। इधर, राजवाड़ा पर भी उनकी स्वागत की तैयारियां थी। इस दौरान जुलूस पास आने पर आतिशबाजी शुरू हो गई। इसके अलावा फटाखे फोड़े गए जिससे काफी कचरा होने लगा। इस दौरान कई लड़े भी फोड़ी गई जिससे भी कचरा हुआ।

तुरंत सफाई मित्रों ने समेटा कचरा: खास बात यह कि इसके लिए भी महिला मित्रों की टीम वहां मौजूद थी। इन महिला सफाई मित्रों ने हाथों-हाथ सफाई कर कचरा समेटना शुरू किया। यह देख वहां मौजूद लोगों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें काफी सराहा। कुछ देर बाद राजवाड़ा पर सम्मान समारोह शुरू हुआ तो भी दूसरी सफाई मित्रों की टीम सफाई में जुटी रही। खास बात यह कि उन्होंने कैमरे के सामने भी आने से इनकार कर दिया और सफाई में जुटी रही। इससे वहां गंदगी तुरंत साफ होती रही। इधर, समारोह के बाद मेयर भी सफाई मित्रों के साथ थिरके और उनका उत्साहवर्धन किया।

डीडी नगर, अटल नगर, शताब्दीपुरम में जलभराव से परेशान लोग

घरों में भरा सीवर का पानी, गुस्से में रहवासियों ने किया भिंड रोड जाम

ग्वालियर (एजेंसी)। शताब्दीपुरम, डीडी नगर, अटल नगर, आदित्यपुरम के लोगों के लिए लगातार बारिश परेशानी बनी हुई है। 7 दिन से ज्यादा समय हो गया है। यहां घरों के आसपास पानी भरा हुआ है। सीवर ओवर फ्लो होने पर घरों में पानी भरा गया है। कई बार शिकायत के बाद भी जब कोई एक्शन नहीं हुआ तो आक्रोशित रहवासियों ने शनिवार को डीडी नगर चौराहा पर पहुंचकर भिंड रोड पर जाम लगा दिया। हंगामा और ट्रैफिक जाम की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश दी। लेकिन, आक्रोशित परिजन मानने को तैयार नहीं थे। इसके बाद नगर निगम उपायुक्त पहुंचे एपीएस भदौरिया स्पॉट पर पहुंचे और आश्वासन दिया तब जाकर लोग माने हैं।

बारिश के कारण हालात बेकाबू हो गए: ग्वालियर में लगातार बारिश के साथ ही लोगों के घरों व सड़कों पर पानी भर गया है। बारिश का पानी सीवर साफ न होने और नालियों, नाला के चौक होने से घरों में भर रहा है। यही कारण है कि शहर के डीडी नगर, अटल नगर, शताब्दीपुरम, आदित्यपुरम इलाके में जलभराव हो रहा है। नगर निगम जलभराव की समस्या को खत्म करने में नाकाम साबित हुई है। शहर के शताब्दीपुरम, डीडी नगर व अटल नगर में बारिश के कारण हालात बेकाबू हो गए हैं, जहां पिछले एक सप्ताह से सीवर व बारिश का पानी न सिर्फ सड़क बल्कि, घरों तक में भरा हुआ है। लोगों का कहना है कि वह पिछले एक सप्ताह से लगातार जलभराव की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो पाई। जिसके बाद आज शताब्दीपुरम, डीडी नगर चौराहा, अटल नगर के लोगों ने जाम लगा दिया। यह जाम करीब तीन घंटे तक जारी रहा है। नगर निगम ने तत्काल मौके पर फायर स्टेशन से तीन गाड़ियां रवाना की, ताकी सीवर व बारिश के पानी को निकाला जा सके, लेकिन लोगों में जलभराव को लेकर भारी गुस्सा रहा। लोगों का कहना है कि वह इस समस्या के चलते न तो काम पर जा पा रहे हैं और न ही बच्चों को स्कूल भेज पा रहे हैं। लोगों ने जाम के दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पीएचई इंजीनियर बोले-लोगों ने नलियां जाम कर रखी हैं: पीएचई के इंजीनियर एस गुप्ता ने बताया कि डीडी नगर व आदित्यपुरम में जलभराव लोगों के अवैध अतिक्रमण व नालियों को जाम करने के कारण हो रहा है। सीवर बिल्कुल ठीक है, लेकिन लोगों ने खुद ही नालियों व नालों का निकास बंद किया हुआ है, जिससे जलभराव हो रहा है।

प्रेमी ने प्रेमिका और उसके बच्चे को जहर दिया, फिर खुद पी लिया

बालाघाट (एजेंसी)। गढ़ी बाजार में एक प्रेमी ने विवाहिता प्रेमिका और उसके बच्चे को जहर देकर खुद भी जहर पी लिया। तीनों की मौत हो गई। घटना शुक्रवार, 18 जुलाई की है। सुकेश और प्रिती की प्रेम कहानी 2021 में शुरू हुई थी। दोनों केरल भी गए थे। वापस आने के बाद प्रिती ने पंचायत में अपने पति सोनशाह के साथ रहने की इच्छा जताई थी। उसने पंचायत को 60 हजार और पति को 4 लाख रुपए देने की बात कही थी। इसका सरकारी दस्तावेज भी बना था।

प्रेमिका छोड़ ने दे, इस डर से दिया था जहर: सुकेश को डर था कि प्रिती उसे छोड़कर पति के पास चली जाएगी। वह प्रिती को हमेशा के लिए अपना बनाना चाहता था। इसी कारण उसने पहले प्रिती धुर्वे और उसके बेटे दक्ष को जहर पिला दिया और फिर खुद भी जहर पी लिया।

मृतक एक साल से घर नहीं गया था: घटना के अगले दिन सुकेश के गांव कदला और प्रिती के गांव समनापुर में मातम छाया रहा। सुकेश की मां और पत्नी ने बताया कि वह एक साल से घर नहीं आया था। उन्हें मौत की खबर पंचायत सरपंच रोशनी मेरावी से मिली। मरने से पहले प्रिती ने सरपंच को सुकेश द्वारा जहर देने की बात बताई थी।

संक्षिप्त समाचार

लार्क बोले कुलदीप को शामिल करे भारतीय टीम

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम को चाइनामैन स्पिन कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये। क्लार्क के अनुसार पिछले तीन टेस्ट मैच में कुलदीप बैंच पर ही बैठे रह गये हैं। उन्हें अब जगह नहीं मिलेगी तो कब मिलेगी। क्लार्क ने कहा कि मैं अभी भी कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में चाहूंगा हालांकि स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने अच्छी गेंदबाजी की है। साथ ही कहा कि कलाई के स्पिनर कुलदीप को अभी तक इस सीरीज में अवसर नहीं मिलना अजीब सी बात है जबकि वह टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं। भारतीय टीम ने इस सीरीज में बल्लेबाजी को मजबूत करने स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को रखा है। क्लार्क का मानना है कि अब कुलदीप को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना इसलिए भी कठिन हो रहा है क्योंकि सुंदर ने 40 रन बनाने के साथ ही चार विकेट भी पिछले मैच में लिए थे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए रविंद्र जडेजा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि तीसरे टेस्ट में जडेज ने काफी प्रयास किया था पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला। भारतीय टीम ने लॉर्ड्स में हार से उबरकर मैनचेस्टर टेस्ट के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। क्लार्क का मानना है कि तीसरे टेस्ट में अगर भारतीय टीम ने अंतिम पलों में अपना संयम बनाये रखा होता तो उसे जीत मिल जाती क्योंकि मैच भारतीय टीम के पास आ गया था।

ऋषभ पूरी तरह से फिट होने पर ही चौथे टेस्ट में उतरें : शास्त्री

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज और उपकप्तान ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट होते हैं तो ही मैनचेस्टर टेस्ट में उतरें। शास्त्री के अनुसार अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं और विकेटीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें बल्लेबाज के तौर पर भी नहीं खेलना चाहिये। ऋषभ तीसरे टेस्ट में चोटिल हो गये थे और ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने को लेकर आशंकाएं लगायी जा रही हैं। शास्त्री के अनुसार उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह विकेटकीपर के मौर पर न खेल पायें। तीसरे टेस्ट में ऋषभ को विकेटकीपिंग के दौरान बांए हाथ की उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। इसी कारण वह मैच में बचे हुए समय में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी। इसी को लेकर शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर भी मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि तब उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो गेंद लगने से उनकी चोट और खराब हो जाएगी। विकेटकीपिंग के दौरान दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है तो इससे उनकी चोट और बिगड़ जाएगी।

पंत एक बेहद रोमांचक खिलाड़ी हैं, जिनका खेल दर्शकों को बांधे रखता हैं : जैक रसेल

ऋषभ की विकेटकीपिंग तकनीक में कुछ सुधार की जरूरत

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज जैक रसेल ने भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि पंत एक बेहद रोमांचक खिलाड़ी हैं, जिनका खेल दर्शकों को बांधे रखता है, लेकिन उनकी विकेटकीपिंग तकनीक में कुछ सुधार की जरूरत है। रसेल का कहना है कि पंत चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों या विकेट के पीछे खड़े हों, उन्हें देखना हमेशा मनोरंजक होता है। वह इस बात से भी बेहद खुश हैं कि भयानक कार दुर्घटना के बाद पंत ने मैदान पर सफल वापसी की है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि पंत की विकेटकीपिंग में कुछ तकनीकी कमजोरियां हैं, जिन पर उन्हें काम करना होगा, विशेष रूप से स्टंप के पास खड़े होकर कीपिंग करते समय। 61 वर्षीय रसेल ने बताया कि वह खुद एलन नॉट और बॉब टेलर जैसे कीपरों को आदर्श मानते थे, लेकिन भारतीय विकेटकीपर सैयद किरमानी को देखकर भी उन्होंने बहुत कुछ सीखा। उन्होंने कहा कि जब वह छोटे थे, तब किरमानी को देखकर लगता था कि वे बेहतरीन विकेटकीपर हैं। मौजूदा दौर के कीपरों पर बात करते हुए रसेल ने इंग्लैंड के जैमी स्मिथ की भी तारीफ की और उन्हें भविष्य का महान विकेटकीपर बताया। उनके अनुसार, स्मिथ में इतनी प्रतिभा है कि उन्हें एडम गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रखा जा सकता है। रसेल ने यह भी कहा कि विकेटकीपिंग में गलतियां होना सामान्य है, क्योंकि ज्यादातर विकेटकीपर उनसे नहीं बच पाते। खासकर इंग्लैंड जैसी परिस्थितियों में विकेट कीपिंग करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। पंत की तकनीकी गलतियों को लेकर उन्होंने कहा कि ये बड़ी खामियां नहीं हैं, बल्कि कुछ छोटी बातें हैं जिन्हें सुधारकर वह और बेहतर हो सकते हैं। अगर पंत चाहें, तो वह उन्हें इन तकनीकी पहलुओं पर सलाह भी दे सकते हैं। क्रिकेट से संन्यास के बाद रसेल अब चित्रकला से जुड़े हुए हैं। वह रोजाना पेंटिंग करते हैं और सोशल मीडिया पर इन्हें साझा भी करते हैं, जिनमें उनके अधिकतर फॉलोअर्स भारतीय हैं। हाल ही में उन्होंने भारत के पहले टेस्ट क्रिकेटर रणजीतसिंहजी का चित्र बनाया, जिसे वह अपनी पसंदीदा पेंटिंग्स में से एक मानते हैं। उनकी बनाई कई पेंटिंग्स 25,000 पाउंड तक में बिक चुकी हैं, हालांकि वह इसे व्यवसाय के तौर पर नहीं करते।

14 साल का वैभव सूर्यवंशी बना ग्लोबल क्रिकेट सनसनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल 2025 के दौरान धमाकेदार प्रदर्शन कर चुके 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नई सनसनी बनकर उभरे हैं। बिहार के समस्तीपुर से ताल्लुक रखने वाले इस युवा खिलाड़ी ने न सिर्फ भारत बल्कि इंग्लैंड में भी अपने खेल से ऐसा प्रभाव छोड़ा है कि लोग उसे अगला सचिन तेंदुलकर या विराट कोहली मानने लगे हैं। फिलहाल इंग्लैंड में चल रही इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 की यूथ वनडे सीरीज में वैभव सूर्यवंशी ने 3-1 से सीरीज जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। खासतौर पर एक मुकाबले में उन्होंने 31 गेंदों में 86 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 9 छक्के शामिल थे। बारिश के कारण यह मैच 40 ओवर का किया गया था, लेकिन वैभव की बल्लेबाजी ने दर्शकों को पूरी तरह रोमांचित कर दिया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के विश्लेषक पीकॉक ने बताया कि जब उन्होंने वैभव को पहली बार नॉर्थम्पटनशर में देखा, तो माहौल किसी सुपरस्टार के मैच जैसा था। उन्होंने कहा कि वैभव की पारी देखने के लिए कई मीडिया तथा प्रशंसक मौजूद थे। जब उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सेबेस्टियन मोर्गन की गेंद को बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर पुल किया, तो पूरे स्टेडियम में खड़े होकर तालियां बजीं। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव की सिर्फ 35 गेंदों में बनाई गई सेंचुरी ने पहले ही उन्हें लाइमलाइट में ला दिया था, लेकिन अब इंग्लैंड में मिल रही लोकप्रियता ने उनके करियर को एक नया आयाम दिया है। पीकॉक का मानना है कि उन्होंने अपने जीवन में जितने भी 14 साल के खिलाड़ी देखे हैं, उनमें वैभव सबसे खास हैं। लोगों की उम्मीदें अब वैभव को भारतीय क्रिकेट के अगले महान खिलाड़ी के रूप में देख रही हैं। इंग्लैंड के प्रशंसकों का तो यहां तक कहना है कि यह लड़का न सिर्फ तेंदुलकर और कोहली की बराबरी कर सकता है, बल्कि उनसे आगे भी निकल सकता है। अभी बेहद कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान बना चुके वैभव सूर्यवंशी को लेकर अब पूरी दुनिया उत्सुक है कि यह युवा सितारा आने वाले वर्षों में क्रिकेट की दुनिया में क्या कमाल करेगा।

कंधे की सर्जरी के बाद छह हफ्ते तक मैदान से दूर रहेंगे जूड बेलिंगहैम

नई दिल्ली (ईएमएस)। रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम को आखिरकार अपने कंधे की लगातार बढ़ती समस्या के चलते सर्जरी करानी पड़ी है। क्लब ने पुष्टि की है कि सर्जरी सफल रही है और अब बेलिंगहैम करीब छह हफ्तों तक मैदान से दूर रहेंगे। इसका असर उनकी उपलब्धता पर साफ नजर आएगा, क्योंकि वह ला लीगा के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे और चैंपियंस लीग के कुछ मुकाबले भी मिस कर सकते हैं। बेलिंगहैम को नवंबर 2023 में पहली बार कंधे में चोट लगी थी, जब एक मैच के दौरान उनका कंधा खिसक गया था। इसके बाद से ही वह सपोर्ट ब्रेस पहनकर खेलते आ रहे थे। उन्होंने क्लब वर्ल्ड कप तक सर्जरी टाल दी ताकि टीम को उस प्रतियोगिता में अपनी सेवाएं दे सकें, लेकिन रियल मैड्रिड की टीम सेमीफाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन से हारकर बाहर हो गई। क्लब की मेडिकल टीम की देखरेख में डॉक्टर मैनुएल लेयेस और एंड्रयू वालेस ने बेलिंगहैम की सर्जरी की। क्लब ने बताया कि यह ऑपरेशन बार-बार कंधा खिसकने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है और अब बेलिंगहैम रिकवरी की प्रक्रिया से गुजरेंगे। वे जब पूरी तरह फिट होंगे, तभी फिर से ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे। इस सर्जरी के कारण बेलिंगहैम सिर्फ स्पेनिश लीग ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए होने वाले सितंबर के वर्ल्ड कप क्वालिफायर भी नहीं खेल पाएंगे, जिसमें इंग्लैंड को सर्बिया और अंडोरा से भिड़ना है। इसके अलावा वे 29 सितंबर को एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ होने वाले बड़े मुकाबले से भी बाहर हो सकते हैं।

बुमराह की किसी अन्य से तुलना नहीं कर सकते - डोएशे

वह छोटे स्पैल में अधिक प्रभावी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तुलना किसी और से नहीं की जा सकती है। इससे पहले इरफान पठान सहित कई क्रिकेटरों ने कहा था कि जिस प्रकार इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स कार्यभार प्रबंधन की जगह खेल को अधिक महत्व देते हैं। उसी प्रकार बुमराह को भी खेलना चाहिये। पठान ने कहा था कि भारत अपने सबसे अच्छे गेंदबाज का बेहतर उपयोग कर सकता था और उन्हें छोटे-छोटे स्पेल में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। पठान ने कहा कि स्टोक्स ने तीसरे टेस्ट के अंतिम दिन सुबह में लंबा स्पेल फेंका और केएल राहुल का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिससे भारत की पारी दबाव में आ गयी थी। पठान ने यह भी कहा कि बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को लेकर चिंता नहीं होनी चाहिए थी क्योंकि उन्होंने एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट छोड़कर आराम कर लिया था। इसी को लेकर डोएशे ने कहा कि बुमराह छोटे स्पेल में अधिक प्रभावी हैं। उन्होंने कहा, 'स्टोक्स बहुत प्रभावशाली थे। पांचवें दिन उस तेजी से गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाज और उनकी फील्डिंग भी शानदार थी पर हम अपने गेंदबाजों की तुलना दूसरों से नहीं कर रहे हैं। हमारे पास अपनी ताकत है। बुमराह छोटे स्पेल में अधिक अच्छा प्रदर्शन करते हैं।' डोएशे ने गुरुवार को कहा. 'कुछ गेंदबाज जैसे मौहम्मद सिराज अपने स्पेल में धीरे-धीरे रंग में आते हैं और अपने 7वें, 8वें, या 9वें ओवर में शीर्ष पर पहुंचते हैं पर र कोई एक जैसा नहीं होता और हम उसी के अनुसार योजना बनाते हैं।,'इससे पहले पठान ने कहा था कि टीम प्रबंधन और बुमराह कार्यभार प्रबंधन को जरुर से ज्यादा महत्व दे रहे हैं जबकि ऐसा होना नहीं चाहिये।

एशेज के लिए रिकी पोंटिंग ने सुझाई ऑस्ट्रेलिया की टॉप ऑर्डर बैटिंग लाइन-अप

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग ने एशेज 2025 के पहले टेस्ट के लिए कंगारू टीम का टॉप ऑर्डर किस तरह होना चाहिए, इसे लेकर अपनी राय दी है। हाल ही में भारत, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मुकाबलों में ऑस्ट्रेलियाई टॉप ऑर्डर लगातार अस्थिर नजर आया है। कभी कोई खिलाड़ी ओपन करता दिखा, तो कभी तीसरे नंबर पर बदलाव हुए। ऐसे में टीम की बल्लेबाजी की निरंतरता पर सवाल उठे हैं। खासकर युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास, जो ओपनर के रूप में टीम में आए थे, डेब्यू मैच के बाद लगातार असफल रहे और वेस्टइंडीज के खिलाफ छह पारियों में सिर्फ 50 रन ही बना सके। इसके बावजूद पोंटिंग उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें ओपनिंग में बरकरार रखने के पक्ष में हैं। एक बातचीत के दौरान रिकी पोंटिंग ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के लिए वह उस्मान ख्वाजा और सैम कोंस्टास की जोड़ी को सलामी बल्लेबाज के रूप में देखना चाहते हैं। वहीं, तीसरे नंबर के लिए उन्होंने कैमरोन ग्रीन का समर्थन किया। पोंटिंग के मुताबिक ग्रीन ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टेस्ट की दूसरी पारी में कठिन परिस्थितियों में धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की, जिससे उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया। पोंटिंग ने कहा कि पिछले कुछ समय में ख्वाजा, कोंस्टास और ग्रीन को लेकर काफी चर्चाएं हुई हैं, लेकिन ग्रीन की परिपक्वता ने यह संकेत दिया है कि वह तीसरे नंबर पर स्थायी समाधान हो सकते हैं।

उन्होंने यह भी माना कि वेस्टइंडीज के खिलाफ भले ही ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से टेस्ट सीरीज जीती, लेकिन शीर्ष क्रम की विफलता लगातार चिंता का विषय बनी रही। इसके बावजूद पोंटिंग का मानना है कि एशेज की शुरुआत उसी टॉप ऑर्डर के साथ की जाएगी जो फिलहाल टीम में है। पूर्व कप्तान ने उम्मीद जताई कि अगर यही बल्लेबाज शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर देते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया को स्थिरता और संतुलन मिलेगा। उनकी राय में मौजूदा हालात में टीम को प्रयोग बंद कर एक भरोसेमंद संयोजन के साथ उतरना चाहिए, जिससे आत्मविश्वास बढ़े और शुरुआती मैचों में दबदबा बनाया जा सके।

जमैका में अपना आखिरी मैच खेलेंगे आंद्रे रसेल

इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का किया ऐलान

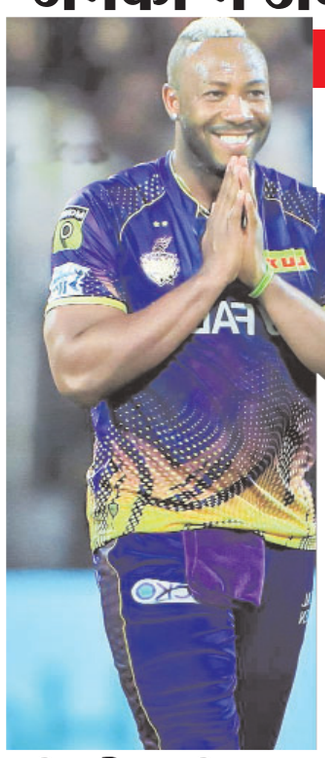

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। हालांकि यह फैसला तुरंत प्रभावी नहीं होगा, लेकिन रसेल का इंटरनेशनल करियर अब अंतिम दौर में है। वह अपने घरेलू मैदान जमैका के सबीना पार्क में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 और 22 जुलाई को होने वाले पहले दो टी20 मैचों के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। यह खबर टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियों में जुटी वेस्टइंडीज टीम के लिए एक बड़ा झटका है। 37 वर्षीय रसेल ने 2019 के बाद से केवल टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने अब तक इस प्रारूप में 84 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 1078 रन बनाए और 61 विकेट भी हासिल किए। उनका बल्लेबाजी औसत 22 का रहा, जबकि स्ट्राइक रेट 163.09 का है। अपने करियर में उन्होंने तीन अर्धशतक भी जड़े हैं। गेंदबाजी के मोर्चे पर भी वे कई मौकों पर टीम के लिए गेमचेंजर साबित हुए। रसेल ने एक टेस्ट और 56 वनडे मुकाबलों में भी वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन पिछले छह साल से वे सिर्फ टी20 क्रिकेट तक सीमित रहे। अपने संन्यास को लेकर उन्होंने भावुक बयान में कहा, वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस स्तर तक पहुंच पाऊंगा, लेकिन क्रिकेट के प्रति मेरा प्रेम और समर्पण मुझे यहां तक लाया। उन्होंने आगे कहा, मुझे घर पर खेलने और अपने लोगों के सामने प्रदर्शन करने का हमेशा से गर्व रहा है। मैं अपने करियर का अंत एक यादगार तरीके से करना चाहता हूं और चाहूंगा कि मेरी यात्रा अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करे। रसेल का संन्यास ऐसे समय पर हो रहा है जब टीम को उनके अनुभव की सख्त जरूरत थी, खासकर 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए, जो भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी हमेशा से वेस्टइंडीज की ताकत रही है। अब देखना यह होगा कि टीम उनकी भरपाई कैसे करती है।

गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने जडेजा को सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बताया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जमकर प्रशंस करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को असाधारण बताया है। गंभीर ने कहा कि जडेजा जैसा खिलाड़ी मिलना कठिन है। गंभीर ने जडेजा को टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) करार दिया। जडेजा ने इस सीरीज में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। तीसरे टेस्ट में उन्होंने अंतिम दिन 181 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाये थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब एक वीडियो जारी किया है। इसमें कोच जडेजा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गंभीर ने इस वीडियो में कहा, ' जडेजा की पारी अविश्वसनीय थी।' भारतीय टीम इस मैच में 193 रन के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी। टीम के शीर्ष बल्लेबाज जब पेवेलिन लौट रहे थे। तब जडेजा ने एक छोर संभाले रखा। वहीं इसी वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा, 'जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने जो संयम दिखाया वह वास्तव में प्रशंसनीय है। मैं उन्हें कई साल से खेलते हुए हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाया है। वह वे एक शानदार बल्लेबाज़ लगते हैं जो आक्रामक साथ ही रक्षात्मक खेल में भी कुशल हैं।' वहीं बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि उनमें दबाव झेलने की क्षमता है। वह आमतौर पर तब अधिक अच्छी बल्लेबाज करते हैं जब टीम को चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जरूरत होती है। वह टीम के लिए वाकई बहुत मूल्यवान हैं।'

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाइननामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्ट टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये। अब तक सुंदर ने तीसरे मैच की दूसरी पारी में 4 विकेट लिए किया। वहीं जडेजा ने 6 पारियों में तीन विकेट लिए हैं। हालांकि बल्लेबाजी में जडेजा काफी सफल रहे हैं। कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिलने पर कपिल ने कहा कहा, टीम अच्छा खेल रही है इसलिए भी शायद उन्हें अवसर नहीं मिला। तीसरे टेस्ट में लगा कि वह खेलेंगे पर लेकिन तेज गेंदबाजों ने अच्छा काम किया। उन्होंने साथ ही कहा, इस समय कुलदीप अच्छे फॉर्म में है। ऐसे में उसे जगह नहीं देना नुकसानदेह रहेगा। पिछले कुछ मैचों में गेंदबाज नहीं, बल्कि बल्लेबाज विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, आप कुलदीप या जसप्रीत बुमराह से ये उम्मीद नहीं कर सकते कि वह काफी रन बना लेंगे। मैंने हाल ही में कुलदीप से बात की और उसे फिट रहने और अवसर मिलने पर अच्छा प्रदर्शन करने को कहा। हम सभी उसे जगह मिलने की उम्मीद कर सकते हैं हालांकि अंतिम फैसला कोच और कप्तान को करना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कुलदीप वर्तमान समय में देश के सबसे अच्छे और अनुभवी स्पिनर हैं। उन्होंने साथ ही कहा, उसका मनोबल ऊंचा है पर अंदर ही अंदर वह यह भी सोच रहा होगा कि उसे कब अवसर मिलेगा। वह भी तो इंसान ही है। मैनचेस्टर में अवसर मिलन पर वह बड़ी भूमिका निभा सकता है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख रहा

सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर 81,757.73 पर बंद

निटी 166 अंकों गिरकर 24,945.45 पर बंद

मुंबई (एजेंसी)। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 247 अंक गिरकर 82,253.46 पर और निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 25,082.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार ने थोड़ी राहत दी और दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स में 317 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 113 अंकों की मजबूती के साथ 25,195.80 पर पहुंचा। हालांकि यह तेजी टिक नहीं सकी और बुधवार से फिर गिरावट का दौर शुरू हो गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को बाजार ने और ज्यादा दबाव महसूस किया। सेंसेक्स 375 अंक गिरकर 82,259.24 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 100 अंक टूटकर 25,111.45 पर आ गया। सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को बिकवाली और बढ़ गई। सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर 81,757.73 पर बंद हुआ और निफ्टी 166 अंकों की गिरावट के साथ 24,945.45 पर बंद हुआ। सप्ताहभर की बात करें तो सेंसेक्स में लगभग 510 अंकों की गिरावट आई जबकि निफ्टी ने करीब 133 अंक गंवाए। बाजार में इस कमजोरी की प्रमुख वजह विदेशी निवेशकों की सतत बिकवाली, आईटी सेक्टर में दबाव और वैश्विक संकेतों की अनिश्चितता रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहने की सलाह दी जाती है, विशेषकर वैश्विक आर्थिक संकेतकों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नज़र रखते हुए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 86.14 रुपये पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ 98.45 पर आ गया। वहीं गत दिवस रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती एवं विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को रोक दिया।

विन्ध्य क्षेत्र के गौरव और भारतीय नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने टीआरएस कॉलेज में विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन दिया

‘आत्मसंयम, समय का सम्मान, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व के गुण सफलता के मूलमंत्र’

मीडिया ऑडीटर, रीवा / सतना(निप्र)। विन्ध्य क्षेत्र के गौरव और भारतीय नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन दिया। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल शस्त्रों और सीमाओं की निगरानी से ही नहीं होती है। इसके लिए विचारों में स्पष्टता, उद्देश्य में दृढ़ता और अनुशासन में निरंतरता आवश्यक है। आज का युवा ही कल का राष्ट्र निर्माता है। युवाओं का दृष्टिकोण और संकल्पशक्ति ही देश की दिशा और दशा तय करते हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने अपने गौरवमयी सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि आत्मसंयम, समय का सम्मान, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व के गुण किसी भी क्षेत्र में सफलता के मूलमंत्र हैं। हर विद्यार्थी को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के साथ समाज के लिए अनुकरणीय योगदान देना चाहिए। वर्तमान शताब्दी भारत की शताब्दी है। देश को उन्नति की ऊंचाईयों तक ले जाने और समग्र विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। हर युवा को अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम से समाज को सर्वोत्तम योगदान देना है। जीवन की असफलताओं से सीख लेकर मन की हताशा को मिटाकर पूरे उत्साह के साथ अपने लक्ष्य की पूर्ति का प्रयास करना चाहिए। जीवन में सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्साह के साथ आगे बढ़ने के प्रयास करें। उन्होंने नौसेना का उदाहरण देते हुए कहा कि नौसेना, थलसेना और वायुसेना से समन्वय बनाकर संयुक्त शक्ति के रूप में राष्ट्र की रक्षा करती है। आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए समन्वय के साथ ही प्रयास करना होगा। नौसेना अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई।

ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय पहुंचने पर नौसेना अध्यक्ष श्री त्रिपाठी का आत्मीय और भावभीना स्वागत किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने नौसेना अध्यक्ष को गार्ड ऑफ आनर प्रस्तुत करके गरिमा प्रदान की। समारोह में प्राचार्य डॉ अर्पिता अवस्थी ने मुख्य अतिथि एडमिरल त्रिपाठी को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र ताम्रकार ने नौसेना अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। संस्था की ओर से नौसेना अध्यक्ष को अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। समारोह में छात्राओं द्वारा बनाए गए एडमिरल त्रिपाठी के स्केच को भेंट किया गया। कार्यक्रम का संयोजन और समन्वय डॉ अमित तिवारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ अखिलेश शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, प्रोफेसर संजय शंकर मिश्रा, प्रोफेसर अजय शंकर पाण्डेय, डॉ महानंद द्विवेदी, महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सतना के पीएचसी में महिला जनप्रतिनिधि से बदसलूकी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के वॉर्ड नंबर 7 की जिला पंचायत सदस्य विमला कोल के साथ पुरुष स्वास्थ्य कर्मी ने अभद्र व्यवहार किया।सतना जिले के कुलगढ़ी पीएचसी में वॉर्ड नंबर 7 की जिला पंचायत सदस्य विमला कोल के साथ पुरुष स्वास्थ्य कर्मी ने अभद्र व्यवहार किया। ये घटना 16 जुलाई की है और इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है।विमला कोल 16 जुलाई को कुलगढ़ी पीएचसी का औचक निरीक्षण करने पहुंचीं थीं। जब उन्होंने वहां मौजूद स्वास्थ्य कार्यकर्ता नित्यानंद पाठक से कर्मचारियों की संख्या पूछी, तो वह बदसलूकी पर उतर आए। स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने न तो उन्हें बैठने के लिए कुर्सी दी और न ही हाजिरी रजिस्टर दिखाया। बल्कि रजिस्टर को अलमारी में रख दिया।

इतना ही नहीं, इसके बाद उन्होंने विमला कोल से कहा कि वह पीएचसी से चले जाएं। कर्मचारी का कहना है कि वह जिला पंचायत सदस्य को पहचानते नहीं थे। हालांकि, विमला कोल का घर पीएचसी से कुछ ही कदम की दूरी पर है। विमला कोल ने इस व्यवहार को एक दलित महिला जनप्रतिनिधि का अपमान बताया है।इस मामले की शिकायत मिलने के बाद, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. एल.के. तिवारी ने उचेहरा बीएमओ डॉ. ए.के. राय को जांच के निर्देश दिए हैं।

सतना के प्राइवेट अस्पताल में हार्ट पेशेंट की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

बेटों का आरोप- आयुष्मान कार्ड की मंजूरी देरी से मिली, इसलिए मां की जान गई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।सतना के दिवित हॉस्पिटल में 61 साल की एक महिला राजकुमारी सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। महादेवा टोला बिहरा क्रमांक-1 की रहने वाली राजकुमारी को 14 जुलाई की रात हार्ट संबंधी समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों को एंजियोग्राफी में हृदय की नसों में ब्लॉकेज मिला। स्टंट डालने की सलाह दी गई। आयुष्मान कार्ड के तहत इलाज चल रहा था। एंजियोग्राफी की रिपोर्ट भोपाल भेजी गई। मंजूरी में एक दिन का समय लगा।18 जुलाई की रात मरीज की मौत हो गई। राजकुमारी के बेटे केशव प्रताप सिंह और राम बेटा सिंह ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि समय पर मंजूरी मिलती तो मां की जान बचाई जा सकती थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया है। थाना प्रभारी सुदीप सोनी के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। परिजनों ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

चित्रकूट में बाढ़ ने 3 घर किए ध्वस्त, 447 परिवार बेहाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ की मार झेल चुके चित्रकूट के लोगों की जिंदगी धीरे-धीरे फिर से पटरी पर लौट रही है। बाढ़ का पानी उतर चुका है, लेकिन अब भी लोग अपने घरों और दुकानों में जमा हुई मिट्टी और गंदगी हटाने में लगे हुए हैं।447 परिवार बाढ़ से प्रभावित 12 जुलाई को मंदाकिनी नदी के जल स्तर में भारी वृद्धि के कारण चित्रकूट क्षेत्र बाढ़ की चपेट में आ गया था। इस आपदा में कुल 447 परिवार प्रभावित हुए, जिनमें से 25 घरों में पानी भर गया, 3 घर पूरी तरह ढह गए, जबकि 16 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है।शुक्रवार को कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और एसपी आशुतोष गुप्ता ने चित्रकूट पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वे कार्य को जल्द पूरा कर प्रभावितों को मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाए।गुरुवार को दिनभर हुई मूसलधार बारिश के बाद रात में एक बार फिर मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ गया था, जिससे इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे। हालांकि शुक्रवार सुबह तक बारिश रुकने से जलस्तर घट गया और लोगों ने राहत की सांस ली।नगर परिषद के कर्मचारी घाटों और प्रभावित इलाकों में मिट्टी, कचरा और गंदगी हटाने का कार्य युद्धस्तर पर कर रहे हैं। एसडीएम एपी द्विवेदी के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम पिछले पांच दिनों से सर्वे कार्य में जुटी हुई है।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का 58वां स्थापना दिवस आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का 58वां स्थापना दिवस 20 जुलाई को मनाया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल होंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर ध्रुव नारायण सिंह पूर्व विधायक, विक्रम सिंह विधायक रामपुर बघेलान, आनंद झा प्रदेश प्रवक्ता, प्रोफेसर राजेन्द्र सिन्हा कुलपति संदीप विश्वविद्यालय नासिक उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार कुड़रिया करेंगे।

प्रभारी मंत्री कार्यक्रमों में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल मंत्री ग्रामीण विकास विभाग तथा श्रम मंत्रालय 20 जुलाई को रीवा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री 20 जुलाई को प्रातः 9.25 बजे सर्किट हाउस से प्रस्थान कर संजय नगर स्थित श्री सदानंद यादव के निवास स्थान पहुंचकर स्वर्गीय श्री ब्रम्हानंद यादव को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। प्रभारी मंत्री प्रातथ 10 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। प्रभारी मंत्री प्रातः 11.45 बजे सर्किट हाउस से प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय पहुंचकर विश्वविद्यालय के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री दोपहर 1.45 बजे अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे सर्किट हाउस पहुंचकर 2.45 बजे कार से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 20 जुलाई को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव दोपहर 3.15 बजे अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नई दिल्ली से वायुयान से प्रस्थान कर शाम 4.30 बजे रीवा एयरपोर्ट चोरहटा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री रीवा में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होकर शाम 6.15 बजे एयरपोर्ट रीवा से वायुयान से प्रस्थान कर रात 7.10 बजे भोपाल पहुंचेंगे।

दस्तक अभियान 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक चलाया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पाँच साल तक के सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी। अभियान के दौरान जिले के रीवा और मऊगंज जिले के दो लाख 82 हजार से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि दस्तक अभियान के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में प्रशिक्षित दल तैनात किए गए हैं। इस दल में एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल हैं। इनके द्वारा घर-घर जाकर पाँच साल तक के सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी। सभी चिन्हित बच्चों को अतिरिक्त पोषण आहार एवं समुचित उपचार की सुविधा दी जाएगी। बच्चों को विटामिन ए का घोल, जिंक की टैबलेट तथा ओआरएस दिया जाएगा। वजन लेकर भी बच्चों के पोषण स्तर की माप की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दस्तक अभियान में जो बच्चे कुपोषित अथवा बीमार मिलेंगे उन्हें उपचार की सुविधा देने के साथ-साथ उनका लगातार फॉलोअप किया जाएगा। अभियान के दौरान पाँच साल तक के सभी बच्चों में निमोनिया, जन्मजात विकृति एवं बच्चे की वृद्धि में विलंब की भी जाँच की भी की जाएगी। अभियान के दौरान बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण भी किया जाएगा। पाँच साल तक के जिन बच्चों के टीके किसी वजह से निर्धारित तिथि से छूट जाने पर उन्हें मंगलवार और शुक्रवार के टीकाकरण दिवसों में आँगनवाड़ी केन्द्र ले जाकर टीके लगाए जाएंगे।

11 माह पहले हुई किशोर की हत्या का खुलासा

प्रेम प्रसंग में फरियादी और लड़की के परिवार ने की हत्या

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के नईगढ़ी पुलिस ने 11 माह पहले हुई 17 वर्षीय सुमित शर्मा की हत्या का सनसनीखेज खुलासा किया है। यह हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता और एक नाबालिग लड़की के परिवार वालों ने मिलकर की थी, जिससे सुमित का प्रेम संबंध था। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना 15 अगस्त 2024 को नईगढ़ी थाना क्षेत्र के देवरी सिंघरान गांव में हुई थी। सुमित शर्मा अपने घर से निकला था, और अगली सुबह उसका शव घर से 300 मीटर दूर खेत में मिला। शव पर चाकू के गहरे घाव थे, और हत्यारों ने पहचान मिटाने के लिए उसे करंट से जलाने की कोशिश भी की थी। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने इस अंधी हत्या को सुलझाने के लिए एसडीओपी सचिव पाठक और थाना प्रभारी जगदीश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की थी। जांच में पता चला कि सुमित का गांव की एक लड़की से प्रेम संबंध था, जिससे उसका परिवार नाराज था। पुलिस ने गुप्त पूछताछ और संदिग्धों की हिरासत के बाद तीन आरोपियों– अर्पित त्रिपाठी (20), दुर्गेश तिवारी (27), और अनी त्रिपाठी (18)–को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी देवरी सिंघरान गांव के निवासी हैं। आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया कि सुमित को लड़की से प्रेम संबंध के चलते घर बुलाकर मारपीट की गई। शोर मचाने पर उन्होंने चाकू से उसका गला रेत दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को जलाने की कोशिश की गई, लेकिन असफल रहे। शव को ठिकाने लगाने की योजना थी, लेकिन गांव वालों की आहट पर वे उसे खेत में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़े अपराधों की गंभीरता को उजागर करता है।

प्रतिबंध के बाद भी चल रहा था अहाता, नगर निगम ने किया सील

टीनशेड डालकर शराब परोसी जा रही थी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश सरकार द्वारा अहातों (ओपन शराब पीने की जगह) पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के बावजूद रीवा शहर में खुलेआम अवैध अहातों का संचालन जारी है। ऐसे ही एक अवैध अहाते को शनिवार को नगर निगम की टीम ने सील कर दिया। यह कार्रवाई ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में की गई, जहां ट्रांसपोर्ट व्यवसाय के नाम पर लीज ली गई जमीन पर टीनशेड लगाकर शराब पिलाई जा रही थी। कार्रवाई ने आबकारी विभाग और संबंधित थाने की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस जिम्मेदारी को आबकारी विभाग को निभाना था, उसे अब नगर निगम को करना पड़ रहा है। **आयुक्त मौके पर मौजूद रहे:** कार्रवाई के दौरान नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवड़े खुद मौके पर पहुंचे और टीम की निगरानी में अवैध अहाते को सील कराया। आयुक्त ने बताया कि संबंधित भूखंड ट्रांसपोर्ट कारोबार के लिए लीज पर लिया गया था, लेकिन बिना अनुमति के शराब परोसने का काम किया जा रहा था। नगर निगम रीवा के आयुक्त सौरभ सोनवड़े ने बताया कि यह जमीन ट्रांसपोर्ट के नाम पर लीज पर ली गई थी, लेकिन यहां अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही थी। न तो दुकान की अनुमति थी, न अहाते की। इसलिए अहाते को सील कर दिया गया है और लीज निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।